ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 14, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 353 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

28 जून 2026 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

36.3 अधिकतम

23.2 न्यूनतम

Page-7

आस्था पर चोट, जवाबदेही की कसौटी

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान राशि के कथित गबन का मामला केवल आर्थिक अनियमितता का आरोप नहीं है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास की भी परीक्षा है। देश-विदेश के लाखों लोगों ने भगवान श्रीराम के प्रति अपनी श्रद्धा और समर्पण व्यक्त करते हुए इस मंदिर में उदारतापूर्वक दान दिया। ऐसे में यदि उस धन के प्रबंधन में किसी स्तर पर बेईमानी हुई है तो यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि आस्था के साथ विश्वासघात भी है।

स्वाभाविक है कि श्रद्धालु दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की अपेक्षा करें। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने एक दूसरा प्रश्न भी खड़ा कर दिया है। क्या इस प्रकरण का उद्देश्य केवल दोषियों को कानून के कटघरे तक पहुंचाना है, या फिर इसके बहाने करोड़ों सनातन श्रद्धालुओं की आस्था को भी राजनीतिक विमर्श का विषय बनाया जा रहा है? लोकतंत्र में सवाल उठाना आवश्यक है, लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि अपराध और आस्था के बीच की रेखा धुंधली न होने पाए।

ध्यान देने योग्य तथ्य यह है कि इस मामले की जांच स्वयं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अनुशंसा पर शुरू हुई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। जांच आगे बढ़ी तो दान राशि की गिनती, बैंक में जमा करने की प्रक्रिया तथा उससे जुड़े कर्मचारियों की भूमिका पर सवाल उठे। कई लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और संबंधित बैंक कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। यदि जांच इसी निष्पक्षता और पारदर्शिता से आगे बढ़ती है तो दोषियों तक पहुंचना कठिन नहीं होना चाहिए।

इसी घटनाक्रम के बीच ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा ने नैतिक आधार पर अपने पद छोड़ दिए हैं। ट्रस्ट के पुनर्गठन की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो चुकी है। इसके बावजूद सार्वजनिक जीवन में एक स्वाभाविक प्रश्न मौजूद है- क्या जांच केवल अधीनस्थ कर्मचारियों तक सीमित रहेगी या शीर्ष स्तर की जवाबदेही भी समान गंभीरता से तय की जाएगी? यही वह कसौटी होगी जिस पर इस पूरे प्रकरण की निष्पक्षता का आकलन किया जाएगा।

दान पेटियों की चाबियां किन परिस्थितियों में कुछ लोगों तक पहुंचीं? दान राशि की गिनती की व्यवस्था में किन व्यक्तियों को और किस आधार पर शामिल किया गया? जिन लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनकी भूमिका क्या थी और वे किसके प्रति जवाबदेह थे? यदि व्यवस्था में कहीं चूक हुई तो उसकी जिम्मेदारी किस स्तर तक जाती है? इन सभी प्रश्नों के उत्तर केवल निष्पक्ष जांच ही दे सकती है। लोकतंत्र में किसी भी निष्कर्ष से पहले तथ्य सामने आना सबसे आवश्यक शर्त है।

नजरिया दिग्विजय सिंह का और दलील साध्वी ऋतंभरा की

इस पूरे प्रकरण ने मुझे दो अलग-अलग सार्वजनिक व्यक्तित्वों के दो कथन याद दिला दिए। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह अक्सर कहा करते थे कि भ्रष्टाचार अधिक समय तक छिपाया नहीं जा सकता, क्योंकि व्यक्ति की जीवनशैली में आया असामान्य परिवर्तन बहुत कुछ कह देता है। दूसरी ओर, साध्वी ऋतंभरा ने चंपत राय के समर्थन में कहा कि उन्होंने राम मंदिर आंदोलन के लिए अपना जीवन समर्पित किया है और यदि किसी ने उनके विश्वास का दुरुपयोग किया है तो वह क्षमा का पात्र नहीं हो सकता।

इन दोनों बातों का सार एक ही है—व्यक्तियों के प्रति पूर्वाग्रह भी उचित नहीं और अंधसमर्थन भी नहीं। यदि किसी की आर्थिक स्थिति, संपत्ति या जीवनशैली को लेकर सार्वजनिक प्रश्न उठ रहे हैं तो उनकी भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यदि वे निर्दोष हैं तो जांच उन्हें सम्मानपूर्वक निर्दोष घोषित करे, और यदि दोष सिद्ध होता है तो कानून सबके लिए समान रूप से लागू हो। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल सिद्धांत है। राम मंदिर केवल एक धार्मिक परिसर नहीं है। यह स्वतंत्र भारत के सबसे लंबे सामाजिक, राजनीतिक और न्यायिक संघर्षों का प्रतीक भी है। इसलिए इस मंदिर से जुड़ी प्रत्येक प्रशासनिक और वित्तीय व्यवस्था सामान्य संस्थाओं की अपेक्षा अधिक पारदर्शी, अधिक उत्तरदायी और अधिक विश्वसनीय होनी चाहिए। जितनी बड़ी आस्था होती है, उतनी ही बड़ी जवाबदेही भी अपेक्षित होती है।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कुछ व्यक्तियों के कथित अपराध को करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए। यदि किसी कर्मचारी या पदाधिकारी ने अपराध किया है तो उसकी जवाबदेही व्यक्तिगत होगी, पूरी परंपरा की नहीं। किसी मंदिर में चोरी हो जाने से मंदिर की पवित्रता समाप्त नहीं होती, दोष उस व्यक्ति का होता है जिसने विश्वास तोड़ा। इसी प्रकार, किसी संस्था से जुड़े कुछ व्यक्तियों की कथित अनियमितताओं के आधार पर पूरे सनातन समाज की निष्ठा और आस्था पर प्रश्नचिह्न लगाना भी न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरोसा दिलाया है कि जांच में 'दूध का दूध और पानी का पानी' किया जाएगा। अब पूरे देश की निगाह इसी पर है कि यह आश्वासन व्यवहार में कितना उतरता है। यदि जांच बिना किसी राजनीतिक दबाव, बिना किसी पक्षपात और पूरी पारदर्शिता के साथ पूरी होती है तो इससे न केवल दोषियों को दंड मिलेगा, बल्कि राम मंदिर जैसी राष्ट्रीय आस्था से जुड़े संस्थानों की विश्वसनीयता भी और मजबूत होगी।आस्था मंदिरों का निर्माण करती है, लेकिन जवाबदेही ही उस आस्था की रक्षा करती है। भगवान को सुरक्षा की आवश्यकता नहीं होती, उनके नाम पर बने संस्थानों को ईमानदारी, पारदर्शिता और सार्वजनिक विश्वास की रक्षा करनी होती है। यही इस पूरे प्रकरण की सबसे बड़ी सीख भी है।

न्यूज विंडो

चंबा के चुराह में खाई में गिरी ऑल्टो कार, चार की मौत

चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के चुराह उपमंडल में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। नकरोड़-हिमगिरि डैम साइड सड़क पर एक ऑल्टो के10 कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस भीषण दुर्घटना में मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए । प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वाहन में सवार सभी लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

करोड़ों का घोटाला: पूर्व डायरेक्टर जनरल समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार की एंटी करप्शन ब्रांच ने पूर्व डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज डॉ. वत्सला अग्रवाल को करोड़ो रुपये के घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किया है।एसीबी ने इस कथित घोटाले में नीरज चोपड़ा, डिप्टी कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स को भी गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी इसी मामले में कुछ दिन पहले गिरफ्तार हुए डॉ. विनोद कुमार रंगा की चार दिन की पुलिस रिमांड के दौरान हुई पूछताछ के बाद की गई है। यह घोटाला दवाइयों, सर्जिकल सामान और मेडिकल उपकरणों की खरीद में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है।

जापान के उत्तर-पूर्वी तट के पास महसूस हुए भूकंप के झटके

टोक्यो। जापान में आज सुबह 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। इसका केंद्र जापान के उत्तर-पूर्वी तट के पास इवाते इलाके के समुद्र में था। यह जमीन से लगभग 40 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के झटके आसपास के इलाकों आओमोरी और अन्य क्षेत्रों में भी महसूस किए गए। स्थानीय समय के अनुसार सुबह 7:25 इवाते प्रांत के तट के पास यह भूकंप आया।

पाकिस्तान में हमला, चार सुरक्षाकर्मी व छह आतंकी ढेर

कराची। पाकिस्तान के कराची में रात आतंकियों ने सिंध रेंजर्स के पैरामिलिट्री हेडक्वार्टर पर हमला कर दिया। इसमें चार रेंजर्स की मौत हो गई। जवाबी कार्रवाई में छह आतंकी मारे गए, जबकि एक आतंकी को घायल हालत में गिरफ्तार कर लिया गया।आतंकी गाड़ी से मैन गेट तोड़ते हुए परिसर में घुसे। इसके बाद उन्होंने हैंड ग्रेनेड फेंके और फायरिंग शुरू कर दी, जिससे कई धमाके हुए।

आज का कार्टून

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला...पुलिस खंगाल रही संपत्तियों और बैंक अकाउंट की डिटेल

सुबह 7 बजे टिन्नू समेत 8 आरोपियों के घर पुलिस की दबिश, पड़ोसियों से पूछताछ

अयोध्या, एजेंसी

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जेल में बंद 8 आरोपियों के घर पर आज सुबह 7 बजे पुलिस ने छापेमारी की। पुलिस की 8 टीमों ने एक साथ, एक ही वक्त पर आरोपियों के घर पर दबिश दी। इस दौरान 3-4 आरोपियों के घर पर ताला लगा था। जिसके बाद पुलिस ने पड़ोसियों से सवाल-जवाब किए। बाकी आरोपियों के परिवार के लोगों से पूछताछ की।

छापेमारी के दौरान पुलिस सबसे पहले रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के घर पहुंची, जहां पर उन्हें ताला लगा मिला। कुछ देर बाद टिन्नू की मां मौके पर पहुंची और ताला खोला। पुलिस टिन्नू के घर से थोड़ी दूरी पर भतीजे आरोपी मनीष यादव के घर पहुंची तो वहां भी ताला लगा था। वहीं, तीसरे आरोपी सुभाष चंद्र श्रीवास्तव के घर पर भी कोई नहीं मिला। छापेमारी में राजस्व अधिकारियों खासकर लेखपालों को भी शामिल किया गया है। पुलिस आरोपियों की तरफ से खरीदी गई संपत्तियों के दस्तावेजों और बैंक अकाउंट डिटेल खंगाल रही है। पड़ोसियों से हाल ही के दिनों में आरोपियों की लाइफ स्टाइल में आए बदलाव की जानकारी भी जुटाई जा रही है। गौरतलब है कि 25 जून को मंदिर ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर दर्ज पहली एफआईआर के बाद टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपी टिन्नू यादव के पड़ोसियों से पूछताछ करती पुलिस।

इंद्रेश कुमार बोले- अपराधियों को कभी माफ नहीं किया जाएगा

आरएसएस कीराष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य इंद्रेश कुमार ने कहा- एसआईटी इस मामले की जांच कर रही है। सरकार, ट्रस्ट और संगठन यानी विश्व हिंदू परिषद जरूरी कदम उठा रहे हैं। अगर कोई गड़बड़ी हुई है, तो अयोध्या का राम राज्य ऐसा है कि अपराधियों को कभी माफ नहीं किया जाता। उन्हें सजा दी जाती है। जल्दबाजी करने या इस मामले को राजनीतिक रंग देने की कोई जरूरत नहीं है।

अविनाश शुक्ला का घर सील

इसी क्रम में कौशलपुरी फेस-एक में आरोपी अविनाश शुक्ला के किराये के मकान पर भी पुलिस ने कार्रवाई की। जांच के दौरान मकान के प्रवेश मार्ग पर ताला लगाकर क्षेत्र को पुलिस निगरानी में ले लिया गया। पुलिस मौके पर जांच-पड़ताल में जुटी है। मामले में अब तक सात आरोपियों से करीब 79 लाख रुपये की बरामदगी हो चुकी है। इनमें सबसे अधिक करीब 20 लाख रुपये अविनाश शुक्ला के पास से बरामद होने की बात सामने आई है। पुलिस सभी आरोपियों के आवासों पर साक्ष्य जुटाने और मामले की गहन जांच कर रही है।

ईरान नहीं सुधरा तो उसका अस्तित्व नहीं बचेगा : ट्रम्प

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर ईरान नहीं सुधरा तो उसका अस्तित्व नहीं बचेगा। ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर उन्होंने कहा कि लगता है ईरान कभी नहीं सुधरेगा, लेकिन हम और संयम नहीं बरत पाएंगे। एक समय ऐसा भी आ सकता है जब हमें उस सैन्य अभियान को पूरा करना पड़ेगा, जिसकी शुरुआत हमने बहुत सफल तरीके से की थी। अगर ऐसा हुआ तो ईरान का अस्तित्व ही नहीं बचेगा। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक नौसेना ने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर हमला किया। जानकारी के मुताबिक ये हमले होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरानी ठिकानों पर किए गए। यह कार्रवाई 'एम/टी किकु' नाम के तेल टैंकर पर हुए ईरानी ड्रोन हमले के जवाब में की गई है।

अमेरिका ने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर हमले किए, ईरान का बहरीन-कुवैत पर अटैक

दूसरी ओर, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसने कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस और बेहरीन में अमेरिकी नौसेना के फिफ्थ फ्लीट बेस पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। वहीं कुवैत के विदेश मंत्रालय ने देश पर हुए ईरानी हमलों की कड़ी निंदा की है। मंत्रालय ने इन्हें बार-बार की गई गंभीर ईरानी आक्रामक कार्रवाई बताते हुए कहा कि यह कुवैत की संप्रभुता का खुला उल्लंघन है।

रोहित शेट्टी को एक बार फिर मिली धमकी, 20 करोड़ रुपए की डिमांड

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड डायरेक्टर रोहित शेट्टी को एक बार फिर धमकी भरे कॉल के जरिए फिरौती की मांग की गई है। निर्देशक को सुबह एक धमकी भरा कॉल आया, जिसमें उनसे 20 करोड़ की रंगदारी मांगी गई है। साथ ही इस कॉल में ये भी कहा गया है कि अगर इस बार फिरौती में मांगी गई रकम नहीं मिलती है तो निशाना घर नहीं बल्कि सीधे रोहित शेट्टी होंगे। इस खबर के सामने आने के बाद एक बार फिर बॉलीवुड में हलचल पैदा हो गई है। अब तक ये धमकी भरा कॉल करने वाले शख्स की पहचान नहीं हो पाई है। ऐसे में मुंबई पुलिस ये पता करने में जुटी है कि ये धमका भरा कॉल करने के पीछे किसका हाथ है। जानकारी के मुताबिक रोहित शेट्टी को ये धमकी एक ऑडियो क्लिप के जरिए दी गई है। ये घटना निर्देशक के जुहू स्थित घर पर फायरिंग के कुछ महीने बाद ही सामने आई है, जिससे इंडस्ट्री में फिर हलचल पैदा हो गई है।

सात वर्ल्ड कप मैचों में गोल दागने वाले पहले फुटबॉलर बने मेसी

न्यूर्याक, एजेंसी। फुटबॉल के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। अर्जेंटीना के कप्तान ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में जॉर्डन के खिलाफ शानदार फ्री-किक गोल दागकर वह लगातार सात फीफा वर्ल्ड कप मैचों में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। डलास में खेले गए ग्रुप-जे के मुकाबले में अर्जेंटीना पहले ही अगले दौर के लिए क्वालिफाई कर चुका था, इसलिए मेसी को स्टार्टिंग इलेवन में जगह नहीं दी गई। वह मैच के 60वें मिनट में लॉटारो मार्टिनेज की जगह मैदान पर उतरे। इसके बाद 80वें मिनट में पेनल्टी बॉक्स के ठीक बाहर अर्जेंटीना को फ्री-किक मिली। मेसी ने अपने शानदार अंदाज में गेंद को दीवार के बीच से निकालते हुए सीधे गोलपोस्ट के कोने में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ मेसी ने लगातार सात वर्ल्ड कप मैचों में गोल करने का अनोखा रिकॉर्ड बना दिया।

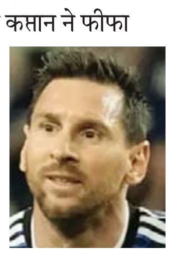

सिया-चेतन ने गूगल पर डेथ पॉइंट खोजा, केतन को मारने की रिहर्सल की

पुणे, एजेंसी। पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में पुलिस ने नया खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने गूगल पर लोहगढ़ किले के डेथ पॉइंट सर्च किए थे। वहां तक पहुंचने का रास्ता और खाइयों की भी जानकारी जुटाई थी। पुलिस ने कहा- दोनों ने गूगल पर 'डेथ पॉइंट और जहर देकर कैसे मारें, ताकि पुलिस को शक न हो' जैसे सवाल सर्च किए। पकड़े जाने पर पुलिस के सवालों के क्या जवाब देने हैं, यह भी खोजा। कौन-कौन से वॉट्सएप मैसेज डिलीट करना है, यह भी सर्च किया था।

पुलिस ने बताया कि चेतन ने अपनी पहचान छिपाने के लिए मर्डर के दिन अपना मोबाइल एक दुकान पर छोड़ दिया था। इसके बाद उसने दूसरे मोबाइल का इस्तेमाल किया। पुलिस डिलीट किए गए वॉट्सएप मैसेज की भी फोरेंसिक जांच करा रही है।

मेट्रो एंकर

अध्ययन... जीवनसाथी के लिए सबसे लंबा इंतजार बेरोजगारों का

भारत में बढ़ रही कुंवारों की संख्या, बेरोजगारी बड़ी वजह

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में युवाओं के विवाह में देरी या अविवाहित रहने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। पहले माना जाता था कि यह समस्या केवल घटते लिंगानुपात और कन्या भ्रूण हत्या का परिणाम है, लेकिन एक नया अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन इस संकट के पीछे के अधिक जटिल और गहरे कारणों को उजागर करता है। शोध के अनुसार, नौकरी की कमी और आर्थिक अस्थिरता आज युवाओं के विवाह में सबसे बड़ी बाधा बन गई है।

पॉपुलेशन स्टडीज में प्रकाशित इस रिपोर्ट में बताया गया है कि विवाह का दायरा अब पूरी तरह बदल चुका है। वधू पक्ष अब ऐसे वर की तलाश में है जिसके पास स्थायी नौकरी और वित्तीय सुरक्षा हो। नतीजतन, बड़ी संख्या में युवा पुरुष विवाह के दायरे से बाहर होते जा रहे हैं।

शोधकर्ताओं ने भारतीय युवाओं को तीन श्रेणियों में बांटा है। प्रथम वर्ग में वे युवा हैं जो कम शिक्षित हैं और बेरोजगार हैं। दूसरे वर्ग में शिक्षित लेकिन बेरोजगार युवा शामिल हैं, और तीसरे वर्ग में वे युवा हैं जो शिक्षित हैं और जिनके पास स्थायी रोजगार है। स्पष्ट है कि विवाह के दायरे में तीसरे वर्ग की ही मांग सबसे अधिक है, जबकि पहले दो वर्गों के युवाओं को जीवनसाथी की तलाश में लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि बेरोजगारी के कारण बड़ी संख्या में युवा लगातार उच्च शिक्षा और डिग्रियां हासिल करने में जुटे हैं, ताकि वे किसी तरह स्थायी नौकरी पा सकें। इस प्रयास में वे विवाह को तब तक टालते रहते हैं, जब तक वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर न हो जाएं। इससे विवाह की औसत आयु लगातार बढ़ रही है।

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां पैदा हो रहीं

शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यह स्थिति सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चुनौतियां पैदा कर सकती है। बड़ी संख्या में बेरोजगार, अविवाहित और निराश युवाओं में हताशा और असंतोष का बढ़ना समाज के लिए चिंता का विषय है। यदि इस आर्थिक अनिश्चितता को जल्द दूर नहीं किया गया, तो आने वाले समय में विवाह संकट और गहरा सकता है, जिससे देश के समृद्ध सामाजिक ताना-बाना के प्रभावित होने का खतरा है।

पिलाई पोलियो अभियान... जिलेभर में 2710 बूथ, रेलवे ने बनाए 22 विशेष केंद्र

बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक घर-घर और ट्रेनों तक पहुंच रही टीमें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत आज जिलेभर में 5 साल तक की उम्र के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा रही है। भोपाल जिले में करीब 3.32 लाख बच्चों को पोलियो रोधी खुराक देने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 2710 बूथ बनाए गए हैं। वहीं पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल ने भी 28 से 30 जून तक विशेष अभियान चलाते हुए रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में 22 पोलियो बूथ एवं मोबाइल टीमें तैनात की हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, जिले में आंगनवाड़ी केंद्रों, सरकारी एवं निजी अस्पतालों के अलावा शॉपिंग मॉल, प्रमुख बाजारों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और एयरपोर्ट पर भी पोलियो बूथ बनाए गए हैं, ताकि जिले से बाहर जाने वाले और यहां आने वाले प्रत्येक 5 वर्ष तक के बच्चे को दवा पिलाई जा सके। हाई रिस्क क्षेत्रों जैसे ईंट भट्टों, क्रेशर, निर्माण स्थलों और घुमक्कड़ आबादी तक पहुंचने के लिए विशेष मोबाइल टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें घर-घर और चिन्हित स्थानों पर पहुंचकर बच्चों को पोलियो की खुराक दे रही हैं। इधर, पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल ने भोपाल, इटारसी, बीना, गुना, गंजबासौदा सहित प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 22 पोलियो टीकाकरण बूथ स्थापित किए हैं। साथ ही विशेष मोबाइल टीमें झेलम एक्सप्रेस, पंजाब मेल, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, राजकोट एक्सप्रेस, कर्नाटक एक्सप्रेस, कामायनी एक्सप्रेस और मालवा एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों में यात्रा कर रहे 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को चलती ट्रेन में ही पोलियो की दवा पिलाई जा रही है। रेलवे कॉलोनियों और पैसेंजर ट्रेनों में भी विशेष व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैतूल के कुकरू में बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि भारत के पड़ोसी देशों में अभी भी पोलियो के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अभियान के पहले दिन ही अपने 5 वर्ष तक के बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर दवा अवश्य पिलाएं। वहीं रेल प्रशासन ने भी यात्रियों और रेल कर्मचारियों से बच्चों को अभियान का लाभ दिलाने की अपील की है।

पांच साल तक के सभी बच्चों को पिलाई जा रही दवा

जेपी अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. कमलेश अहीरवाल ने बताया कि मध्य प्रदेश वर्ष 2014 से पोलियो मुक्त है और पूरा देश भी पोलियो मुक्त है। हालांकि इस उपलब्धि को कायम रखने के लिए जरूरी है कि 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के दौरान पोलियो की दो बूंद दवा अवश्य पिलाई जाए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (एनआईडी) के तहत 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाती है। इसी अभियान के तहत अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले सभी बच्चों को भी पोलियो की दो बूंद दवा पिलाई जा रही है, ताकि पोलियो पर मिली जीत बरकरार रहे। डॉ. कमलेश ने कहा कि पहले पोलियो का खतरा इतना अधिक था कि लगभग हर इलाके में पोलियो से प्रभावित बच्चे या दिव्यांग लोग आसानी से दिखाई दे जाते थे। लेकिन व्यापक टीकाकरण अभियान की बदौलत अब यह स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। इससे साबित हुआ है कि समय पर टीकाकरण से पोलियो और उससे होने वाली स्थायी विकलांगता को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब लोगों में जागरूकता काफी बढ़ गई है। अभिभावक स्वयं उत्साह के साथ अपने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने लाते हैं और बच्चे भी खुशी-खुशी इस अभियान में भाग लेते हैं।

37 लाख की फीस गड़बड़ी के बाद रेलवे स्कूल संचालन समिति की कार्यकारिणी भंग की

नई कार्यकारिणी के कराए जाएंगे चुनाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेलवे स्कूल में फीस घोटाले के बाद संचालन समिति को भंग कर दिया गया है। साथ ही स्कूल की नई कार्यकारिणी के चुनाव कराने का फैसला किया गया है। नई कार्यकारिणी के बनने तक केंद्र का प्रभार रेलवे के वेलफेयर इंस्पेक्टर को सौंपा गया है। यहां बता दें, रेलवे स्कूल में 37 लाख रुपए फीस की गड़बड़ियों सामने आई हैं। स्कूल का संचालन पश्चिम मध्य रेलवे समाज कल्याण केंद्र करता है।

बस बिक्री की राशि संस्था के खाते में जमा नहीं-स्कूल और समिति से जुड़े लोगों का आरोप है कि बस दो से तीन लाख रुपए में बेची गई, लेकिन राशि संस्था के खाते में जमा नहीं की गई। हालांकि, तत्कालीन सचिव नितिन परमार का कहना है कि बस की बिक्री समिति के प्रस्ताव और सामूहिक सहमति से की गई थी तथा संबंधित दस्तावेज रेल प्रशासन को उपलब्ध करा दिए गए हैं।

स्कूल फीस में गड़बड़ी का मामला मई 2026 में सामने आया, जब स्कूल के शिक्षकों और कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिला। इसके बाद स्कूल के वित्तीय रिकॉर्ड की जांच शुरू हुई। आरोप है कि 2024-25 और 2025-26 में छात्रों से प्राप्त करीब 37 लाख रुपए की फीस राशि नकद निकाली गई, लेकिन उसका कोई हिसाब नहीं दिया गया। शिकायत के बाद रेल प्रशासन ने जांच शुरू की थी।

रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई: रेल अधिकारियों के मुताबिक फीस राशि, खातों से निकाली गई रकम और बस बिक्री से जुड़े सभी पहलुओं की जांच जारी है। इसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फीस और बस बिक्री जांच के घेरे में

रेलवे की जमीन पर संचालित इस स्कूल में केजी-1 से 12वीं तक की कक्षाएं संचालित होती हैं। यहां रेलवे कर्मचारियों और आसपास की कॉलोनियों के बच्चे पढ़ते हैं। छात्रों से हर माह 300 से 800 रुपए तक फीस ली जाती है, जिससे स्कूल का संचालन और शिक्षकों-कर्मचारियों का वेतन दिया जाता है। जांच के दौरान स्कूल कैंपस में खड़ी बस की बिक्री का मामला भी सामने आया।

अस्पताल में मरीज की संदिग्ध मौत, बाथरूम में मिला शव

भोपाल। कजलीखेड़ा थाना क्षेत्र स्थित कुशाभाऊ ठाकरे अस्पताल में भर्ती एक मरीज की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात मरीज का शव अस्पताल के बाथरूम में फंदे पर लटका मिला, जिससे अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान सागर निवासी 48 वर्षीय दीपक शुक्ला के रूप में हुई है, जो पेशे से किसान थे। परिजनों ने बताया कि वे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से पीड़ित थे और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती थे।

जानकारी के अनुसार, देर रात वे बाथरूम गए थे, लेकिन काफी देर तक बाहर नहीं आए। इसके बाद अस्पताल स्टाफ और परिजनों ने दरवाजा खोलकर देखा तो वे अचेत अवस्था में फंदे पर लटके मिले। तत्काल उन्हें अस्पताल प्रबंधन द्वारा देखा गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ

हिरदाराम नगर. संत नगर में गुरुदेव कथावाचक श्री भगवानदास विधानी जी एवं पंडित संतोष शर्मा के सानिध्य में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ 'श्री कृष्ण ज्ञान यज्ञ कथा' का शुभारंभ हुआ। इस धार्मिक आयोजन में हीरो फैन्स क्लब के अध्यक्ष व 'हीरो हिंदू' सहित नानक ददलानी, प्रभुदास मूलचंदानी, मधु घनश्यानी, प्रकाश मीणा, राजकुमार ददवानी और रवि ललवानी जैसे कई सेवाधारी भक्तों ने अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई। कथा के प्रथम दिवस का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को भागवत के मूल मर्म, भक्ति, ज्ञान और वैराग्य से जोड़ना रहा। पहले दिन के सत्र में वेदों और पुराणों के सार स्वरूप 'मंगलाचरण' और वंदना से कथा की शुरुआत की गई, जिसमें सृष्टि के रचयिता और पालनकर्ता सच्चिदानंद स्वरूप भगवान श्रीकृष्ण को नमन किया गया।

पश्चिम मध्य रेलवे की बैठक में की जनहित के मुद्दों पर चर्चा

संतनगर, दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर की क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक गुरुवार को महाप्रबंधक कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने की। बैठक के दौरान समिति के सदस्य नितेश लाल ने पश्चिम मध्य रेलवे क्षेत्र के लाखों यात्रियों, व्यापारियों, आम जनता, ट्रांसजेंडरों और सेना के जवानों की सुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव महाप्रबंधक और रेलवे बोर्ड के सामने प्रमुखता से रखे। नितेश लाल ने संत हिरदाराम नगर स्थित आर्मी कैंप परिसर में सैनिकों और उनके परिवारों के लिए एक विशेष रिजर्वेशन काउंटर स्थापित करने की मांग की, ताकि ड्यूटी पर तैनात जवानों को लंबी लाइनों में न लगना पड़े और उनका कीमती समय बच सके। इस प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए महाप्रबंधक ने जल्द ही सैन्य अधिकारियों से चर्चा कर कैंट के भीतर टिकट काउंटर बनाने पर सहमति जताई। नितेश ने संत हिरदाराम नगर पर 9 प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव और आगामी सिंहस्थ मेले को ध्यान में रखते हुए वहां पेड वीआईपी लाउंज, सुलभ शौचालय व यात्री शेड निर्माण का प्रस्ताव भी दिया। उन्होंने मालवा एक्सप्रेस का इंजन भोपाल स्टेशन पर बदलने की प्रक्रिया को बंद कर इसे संत हिरदाराम नगर से बाईपास मार्ग के जरिए रवाना करने का सुझाव दिया। उन्होंने स्टेशन परिसरों में ट्रांसजेंडरों के लिए शौचालय निर्माण और दूरगामी ट्रेनों की पेंट्रीकार में आपातकालीन मेडिकल सहायता केंद्र स्थापित करने पर भी विशेष जोर दिया।

श्री सिद्ध चक्र विधान में विश्व शांति की कामना के साथ दी आहुति

भोपाल। महावीर जैन मंदिर वर्धमान नगर दाता कॉलोनी में श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान में इंद्र इंद्राणियों द्वारा अनुष्ठान के दौरान अभिषेक पूजा-अर्चना कर विधान मंडल पर श्रीफल अर्पित कर सभी के मंगलमय जीवन की कामना की गई। विश्व शांति महायज्ञ में विश्व शांति की कामना के साथ आहुति अर्पित की। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि सभी की जीवन रेखा लाइफ़ लाइन जल वायु हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। जिनालय में भव्य आकर्षक मंडल सजा है। आचार्य विद्या सागर महाराज आचार्य समय सागर महाराज के प्रति भक्ति प्रकट कर गुरु वंदना की गई, प्रतिष्ठाचार्य प्रकाश छोटू भैया ने के निर्देशन में प्रभु की भक्ति में भजन के साथ आराधना की गई।

मेट्रो ने अपने उपयोग के लिए लिया एमवीएम का खेल मैदान

एमवीएम पूर्व छात्रसंघ व खिलाड़ियों ने किया विरोध

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय के खेल मैदान की जमीन को मेट्रो स्टेशन के उपयोग के लिए ले रहा है। इसकी जानकारी मिलते ही महाविद्यालय पूर्व छात्र संगठन समेत अनेक खिलाड़ियों ने विरोध किया है। संगठन के उपाध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि भोपाल के 13 बड़े कॉलेजों में से एकमात्र एमवीएम के पास ही इतना बड़ा खेल मैदान है, जहां से खेल प्रतिभाएं राष्ट्रीय स्तर तक पहुंची हैं। अनेक टूर्नामेंट और खेल प्रतियोगिताएं इस मैदान पर वर्षों से होती आई हैं। एक जमाने में इस महाविद्यालय की आन, बान और शान थी और खेल मैदान के कारण उसकी विशिष्ट पहचान बनी हुई थी।

श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार ने पहले ही इसकी जमीन को 21 एकड़ से कम करते हुए 13 एकड़ में सिमटा दिया और अब मेट्रो स्टेशन बनाने की तैयारी खेल मैदान पर की जा रही है, जबकि भोपाल में मेट्रो की क्या स्थिति है, इससे न सिर्फ जनता बल्कि जनप्रतिनिधि भी वाकिफ हैं। पूर्व छात्र संगठन ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग करते हुए खेल मैदान को जस की तस बनाये रखने की अपील की है। यदि यहां मेट्रो स्टेशन बनता है, तो निश्चित रूप से यहां नियमित वाहनों की पार्किंग होगी और खेल खिलाड़ियों को प्रैक्टिस और अन्य गतिविधियों का मौका नहीं मिल सकेगा। वही मेट्रो ट्रैक निर्माण कार्य के दौरान यहां कंपनी उपयोग करेगी, तो खिलाड़ी खेलने कहां जाएंगे?

व्यावसायिक कार्यों के लिए आवंटित हो चुका एमवीएम मैदान

पहले भी खेल मैदान की यह जमीन व्यावसायिक कार्यों के लिए आवंटित की जा चुकी है। यहां न सिर्फ मेले लगते हैं बल्कि अन्य आयोजन भी होते हैं। कभी पार्किंग के लिए इस मैदान का उपयोग किया जाता है, तो कभी अन्य उद्देश्य की पूर्ति के लिए खेल मैदान का उपयोग हो रहा है कॉलेज के खेल विभाग, छात्रों और खिलाड़ियों के नियमित अभ्यास का एकमात्र यही स्थान बचा था, जिसके विभिन्न कारणों से उपयोग होने के कारण मैदान की स्थिति जर्जर होती जा रही है।

एमपी में 65 डीएसपी के तबादले

बालाघाट हॉक फोर्स में 18 अफसर पदस्थ ग्वालियर, उज्जैन के सीएसपी बदले

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में गृह विभाग ने शनिवार रात 65 पुलिस अफसर के तबादले किए हैं। राज्य पुलिस सेवा के अफसरों के तबादले में ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, पीथमपुर के नगर पुलिस अधीक्षकों के साथ ही भोपाल और इंदौर में इसी कैडर के अफसरों की शहरी क्षेत्र में पदस्थापना की गई है।

आदेश में बालाघाट में हॉक फोर्स में भी डीएसपी स्तर के 18 अफसरों को सहायक सेनानी पदस्थ किया है। इसके अलावा बालाघाट जिले में ही एसडीओपी के पद पर भी 4 राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी पदस्थ किए हैं।जिन अधिकारियों को बालाघाट जिले में हाफ फोर्स में पद्धति किया है उसमें उदित मिश्रा, अभिलाष कुमार

भलावी, आकाश अमलकर, रवि सोनेर, उमेश प्रजापति, रितेश कुमार शिव, रविंद्र सिंह राठी, आयुष कुमार अलावा, सचिन पटेल, कुंदन मंडलोई, राहुल कुमार सय्याम, अक्षय चौधरी, अतुल कुमार सोनी अमन मिश्रा रोहित राठौर राकेश आर्य शामिल हैं।वहीं, बालाघाट में दीपक तोमर एसडीओपी लांजी बालाघाट, चंद्रशेखर पांडे एसडीओपी बैहर बालाघाट, अभिषेक गौतम एसडीओपी परसवाड़ा, बालाघाट पदस्थ किए गए हैं।

राजधानी की सिर्फ तीन सड़कों के भरे जाएंगे गड्ढे

बजट की कमी बता ननि व पीडब्ल्यूडी ने नहीं भरे गड्ढे, अब मेट्रो के दिए पैसों से भरे जाएंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मानसून आ गया है। सुप्रीम कोर्ट की रोड सेफ्टी समिति ने 20 दिन पहले भोपाल शहर की सभी गड्ढों को भरने के निर्देश नगर निगम, पीडब्ल्यूडी समेत अन्य एजेसिंयों को कहा था, लेकिन उक्त एजेंसियों ने बजट का रोना कहकर गड्ढे नहीं भरे। अब तेज बारिश होगी, तो इन गड्ढों में गिरकर हादसे होने की संभावना अधिक हो गई है। सड़क बनाने वाली एजेंसियों का कहना है कि उक्त गड्ढे मेट्रो के कारण हुई है। उनसे पैसा मिलने के बाद ही काम कर पाएंगे।

वही मेट्रो ट्रेन वालों ने भोपाल शहर की केवल तीन सड़कों के गड्ढे भरने के लिए पैसा दिया है। अब मानसून से पहले केवल इन

तीन सड़कों की मरम्मत की जाएगी। इसमें गणेश मंदिर से बोर्ड ऑफिस के लिए 5.48 करोड़, अलकापुरी से डीआरएम ऑफिस तक 105 करोड़ और इंद्रपुरी से सोनागिरी चौराहा के लिए 2.10 करोड़ दिए हैं।

इधर, पुराने शहर स्थित पुतलीघर बस स्टैंड की हालत लगातार खराब होती जा रही है। बरसात शुरू होते ही बस स्टैंड परिसर और आसपास की सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे उभर आए हैं, जिससे यात्रियों, बस चालकों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्षों से उपेक्षा का शिकार यह बस स्टैंड अब यात्रियों के लिए सुविधा केंद्र कम और मुसीबत का केंद्र अधिक बनता जा रहा है। बारिश के पानी से गड्ढों में जलभराव होने के कारण सड़क और गड्ढों के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में बसों के साथ-साथ दोपहिया वाहन चालक भी दुर्घटना की आशंका के बीच सफर करने को मजबूर हैं। बस स्टैंड पर आने वाले बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे सबसे ज्यादा परेशान हो रहे हैं। कई यात्रियों का कहना है कि बस में चढ़ने और उतरने के दौरान कीचड़ और पानी से भरे गड्ढों के कारण उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

मेट्रो एंकर कलाकारों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, राज्यपाल रहे मुख्य अतिथि

लोक भवन में मनाया गया पश्चिम बंगाल का स्थापना दिवस

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लोक भवन में पश्चिम बंगाल का स्थापना दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि भारत की विविधता में एकता का आधार देश के विभिन्न राज्यों के लोग हैं, जो एक-दूसरे की संस्कृति के साथ मिलकर रहते हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश में बंगाल मूल के नागरिकों के घुल-मिलकर रहने को सांस्कृतिक एकता का सुंदर उदाहरण बताया। राज्यपाल ने कहा कि जैसे दूध में शक्कर घुल जाती है, वैसे ही विभिन्न राज्यों की संस्कृतियां एक-दूसरे में समाहित होकर एकता का संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के राज्य स्थापना दिवस समारोह भारत की सांस्कृतिक विविधता को और मजबूत करते हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल की सांस्कृतिक विरासत और देश के विकास में उसके योगदान की सराहना की।

'हमारा बंगाल रे' थीम पर गाए लोकगीत: कार्यक्रम में बंगाली समाज के कलाकारों ने 'हमारा बंगाल रे' थीम पर लोकगीत, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। बाउल, झूमर, धमाइल और भटियाली जैसे लोक संगीत ने सभागार को बंगाल की संस्कृति से जोड़ दिया। कार्यक्रम में विभिन्न वीडियो और लघु फिल्मों के माध्यम से पश्चिम बंगाल और मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और विकास यात्रा को भी दर्शाया गया।

सीएम ने कुकरू में ग्रामीण शानू मंगल के परिवार के साथ किया रात्रि भोजन

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैतूल के प्रसिद्ध हिल स्टेशन कुकरू में शनिवार रात्रि ग्रामीण शानु मंगल भुसुमकर के निवास पर रात्रि भोजन किया। उन्होंन परिजनों के साथ श्रीअन्न से बना भोजन किया मुख्यमंत्री ने परिवार के सदस्यों से संवाद करते हुए स्थानीय संस्कृति, परंपराओं एवं खान-पान संबंधित चर्चा की। ग्रामीण शानु मंगल भुसुमकर ने बताया कि उन्हें वर्ष 2019-2020 में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला था, जिससे उनका पक्का मकान बनने का सपना साकार हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री जनजातीय कार्य दुर्गादास उइके, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, भैंसदेही विधायक महेंद्र सिंह चौहान भी उपस्थित थे।

ऊर्जा मंत्री के गृह जिले में डिजिटल बाजीगरी

बिना समाधान बंद हो रहीं बिजली की शिकायतें, हेल्पलाइन 1912 बनी शोपीस

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

गर्मी और उमस के बीच बिजली कंपनी के निर्बाध बिजली आपूर्ति के तमाम दावे धरातल पर हवा साबित हो रहे हैं। एक तरफ जहां रखरखाव के चलते बिजली गुल से आमजन का जीना मुहाल है, वहीं दूसरी तरफ बिजली कंपनी के शिकायत पोर्टल पर उपभोक्ताओं के साथ अजीब खेल खेला जा रहा है। रात के समय बिजली गुल होने पर जब उपभोक्ता टोल-फ्री नंबर 1912 पर शिकायत दर्ज कराते हैं, तो बिना बिजली आए ही उनकी शिकायत को सिस्टम में रिजाल्व्ड (समाधान हो गया) दिखाकर बंद कर दिया जाता है। यह डिजिटल बाजीगरी कंपनी के कागजी आंकड़ों और रैंकिंग को दुरुस्त रखने के लिए की जा रही है, जबकि जमीन पर उपभोक्ता पूरी रात अंधेरे और पसीने में काटने को मजबूर हैं।

काम शून्य, रिपोर्ट ओके

शिकायत दर्ज कराते ही कुछ देर बाद मोबाइल पर मैसेज आता है कि आपकी समस्या का समाधान कर दिया गया है, जबकि पंखे और बत्तियां ठप पड़ी रहती हैं। यह उपभोक्ताओं के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। रात को गुल हुई बिजली अब सीधे सुबह ही नसीब हो पा रही है। बिजली कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहना है कि फ्यूज आफ काल यानी विद्युत अवरोध को समय पर अटैंड किया जाए और सभी मैदानी अधिकारी व कर्मचारी अपना मोबाइल फोन 24 घंटे चालू रखें, लेकिन धरातल पर स्थिति इसके बिल्कुल उलट है। स्थानीय जिम्मेदार अफसर रात के समय उपभोक्ताओं का फोन उठाना अपनी शान के खिलाफ समझते हैं। नतीजा यह है कि 1912 हेल्पलाइन महज एक औपचारिकता बनकर रह गई है और मैदानी अमला अपनी मनमर्जी चला रहा है।

उज्जैन में विकास और आस्था का महा-विजन, सीएम बोले

सिंहस्थ 2028 बनेगा विश्व स्तरीय आयोजन स्वच्छ और सुरक्षित सिंहस्थ हमारा संकल्प

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हर 12 वर्ष में आयोजित होने वाला सिंहस्थ केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है, जो भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और आस्था का अद्भुत संगम है। सीएम ने यह बात उज्जैन में आयोजित सिंहस्थ-2016 के अनुभव, 2028 का संकल्प विषयक वृहद प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वच्छ सिंहस्थ, स्वस्थ सिंहस्थ ही सरकार का मुख्य लक्ष्य है तथा करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

सीएम ने कहा कि सिंहस्थ केवल एक मेला नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। इसमें प्रशासन, पुलिस, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग और स्वयंसेवी संगठनों को टीम भावना के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने भीड़ प्रबंधन, आपातकालीन सेवाओं और त्वरित राहत व्यवस्था को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। मुख्यमंत्री ने बताया कि उज्जैन और आसपास के क्षेत्रों में 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य चल रहे हैं, जिससे आने वाले समय में शहर धार्मिक और आर्थिक समृद्धि का नया अध्याय लिखेगा।

40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान

सीएम ने अनुमान जताया कि सिंहस्थ-2028 में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालु उज्जैन पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा कि शिप्रा नदी के दोनों तटों पर 29 किलोमीटर से अधिक नए घाट बनाए जा रहे हैं, जिससे एक दिन में लगभग 4 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर सकेंगे। इसके साथ ही मौजूदा घाटों के उन्नयन के लिए भी 120 करोड़ रुपये की योजना चल रही है।

बुनियादी ढांचे का व्यापक विकास

मुख्यमंत्री ने बताया कि उज्जैन में सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा रहा है। उज्जैन-इंदौर 6-लेन मार्ग लगभग पूरा हो चुका है, जबकि उज्जैन-झालावाड़, उज्जैन-जावरा और अन्य मार्गों के लिए हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए 22 नए पुल और रेलवे ओवरब्रिज बनाए जा रहे हैं। साथ ही 139 करोड़ रुपये की लागत से एक केंद्रीय डिजिटल कमांड सेंटर विकसित किया जा रहा है, जहां एआई आधारित निगरानी और रियल टाइम कंट्रोल सिस्टम होगा।

विकसित की जा रही है बेहतर रोड कनेक्टिविटी

मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन आने-जाने के लिए आसपास के सभी शहरों तक बेहतर रोड कनेक्टिविटी विकसित की जा रही है। पड़ोसी राज्यों से भी चर्चा कर श्रद्धालुओं के लिए सुगम आवागमन के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे। दूसरी ओर रेलवे लाइन के विकास कार्य भी आवागमन के लिए महत्वपूर्ण हैं। अब फतेहाबाद का ट्रैक चालू हो गया है और नागदा जाने के लिए रेलगाड़ियों को अब उज्जैन आने की आवश्यकता नहीं है। प्रधानमंत्री और केन्द्रीय रेल मंत्री ने उज्जैन में एक नए रेलवे स्टेशन की सौगात दी है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि इस कार्यशाला के जरिए पिछले सिंहस्थ आयोजनों में उज्जैन में सेवाएं दे चुके सभी अनुभवी अधिकारियों और नागरिकों से जो भी सुझाव मिलेंगे, हम उन सुझावों पर बेहतर अमल कर सिंहस्थ : 2028 का सफल आयोजन सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कार्यशाला में सिंहस्थ 2028 को लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को पर्याप्त, सुरक्षित एवं सुविधाजनक स्नान स्थल उपलब्ध कराने के लिए 778 करोड़ रुपए की लागत से मां शिप्रा के दोनों तटों पर 29 किमी से अधिक लंबाई के नवीन घाटों का निर्माण किया जा रहा है।

जुलाई में अफसरों की बड़ी परीक्षा

सीएम लेंगे कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस, विकास और कानून-व्यवस्था पर होगा मूल्यांकन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के जिला कलेकटरों और पुलिस अधीक्षकों के लिए जुलाई का महीना काफी अहम रहने वाला है। ऐसा इसलिए की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कानून व्यवस्था को लेकर जिले के जिम्मेदारों के साथ हाईलेवल बैठक करेंगे। यह अहम बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित की जाएगी। इस संबंध में मुख्य सचिव कार्यालय की आधिकारिक निर्देश जारी कर दिए हैं। बैठक में सरकार की प्राथमिकताओं, विकास कार्यों की प्रगति और कानून व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की जाएगी।

पुराने निर्देशों के क्रियान्वयन पर रहेगा विशेष फोकस- सरकारी सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री इस बैठक में अधिकारियों को पहले दिए गए निर्देशों और उनके पालन की वास्तविक स्थिति का आकलन करेंगे। जिला स्तर पर जिन योजनाओं और परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए थे, उनकी प्रगति रिपोर्ट का गहन परीक्षण किया जाएगा। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि योजनाओं का लाभ आम जनता तक कितनी प्रभावी ढंग से पहुंच रहा है।

विकास कार्यों और योजनाओं की होगी विस्तृत समीक्षा

बैठक में प्रदेशभर में चल रहे विकास कार्यों, शिलान्यास और भूमि पूजन के बाद परियोजनाओं की मौजूदा स्थिति पर विशेष चर्चा होगी। इसके अलावा केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, लाभार्थियों तक उनकी पहुंच और प्रशासनिक स्तर पर आ रही चुनौतियों का भी मूल्यांकन किया जाएगा। अधिकारियों से प्रत्येक जिले की अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। बैठक का एक प्रमुख विषय प्रदेश की कानून-व्यवस्था भी होगा। मुख्यमंत्री अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, लंबित मामलों के निपटारे और संवेदनशील जिलों की स्थिति पर सीधे अधिकारियों से जानकारी लेंगे। पुलिस अधीक्षकों से अपराधों की रोकथाम और प्रभावी पुलिसिंग को लेकर किए गए प्रयासों का भी ब्यौरा मांगा जाएगा।

आंदोलन की दी चेतावनी

प्रदेश में 30 हजार आउटसोर्स कर्मचारियों का एरियर अटका 26 महीने से भुगतान का इंतजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र के स्वास्थ्य विभाग में काम कर रहे करीब 30 हजार आउटसोर्स कर्मचारियों को पिछले दो वर्षों से न्यूनतम वेतन का एरियर नहीं मिल पाया है। यह स्थिति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, उपस्वास्थ्य केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत कर्मचारियों पर लागू है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की ओर से एरियर भुगतान को लेकर स्पष्ट आदेश जारी किए जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद भुगतान की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी है।

रिकॉर्ड व्यवस्थित न होने के कारण भुगतान अटका- श्रम आयुक्त के आदेश के बाद अप्रैल 2024 से पुनरीक्षित न्यूनतम वेतन देने के निर्देश भी जारी हुए थे, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका असर दिखाई नहीं दे रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि हर साल ठेकेदार बदलने और रिकॉर्ड व्यवस्थित न होने के कारण भुगतान प्रक्रिया लगातार अटकी हुई है। कई जगह ठेकेदारों द्वारा कर्मचारियों का सही डेटा तैयार नहीं किया गया और नियुक्ति व हटाने की प्रक्रिया भी मनमाने तरीके से की गई, जिससे यह तय करना मुश्किल हो रहा है कि किन कर्मचारियों को एरियर दिया जाए।

अब तक करीब 26 महीने का एरियर बकाया

वर्तमान में कई कर्मचारी आठ से नौ हजार रुपये मासिक पर काम कर रहे हैं, जबकि सरकार द्वारा अकुशल श्रमिक के लिए न्यूनतम वेतन लगभग 12,450 रुपये निर्धारित है। बताया जा रहा है कि अप्रैल 2024 से अब तक करीब 26 महीने का एरियर बकाया है, जिसकी अनुमानित राशि प्रति कर्मचारी 70 से 75 हजार रुपये तक पहुंचती है।

एनएचएम ने 29 मई को जारी किया था आदेश

एनएचएम ने 29 मई को एरियर भुगतान को लेकर आदेश जारी किया था, जिसके बाद 15 जून को जिलों से कर्मचारियों का सही डेटा भेजने के निर्देश भी दिए गए। इसके बावजूद कई जिलों से अपेक्षित जानकारी नहीं पहुंच पाई है, जिससे प्रक्रिया और धीमी हो गई है। इधर, कर्मचारियों में नाराजगी लगातार बढ़ रही है। प्रदेश के कई जिलों में प्रदर्शन हो रहे हैं।

इंदौर का एमवाय अस्पताल बनेगा डिजिटल हेल्थ मॉडल डिजिटल फॉर्म में रखेंगे मरीजों का मेडिकल रिकॉर्ड

इंदौर। एमवाय अस्पताल को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के नए मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसकी तैयारी का जायजा लेने के लिए स्वास्थ्य आयुक्त धनराजू एस ने अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी और आईपीडी में मरीजों की संख्या, विभिन्न वार्डों की व्यवस्था और भर्ती मरीजों की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही यह भी जाना कि अस्पताल में किस बीमारी के कितने मरीज उपचाररत हैं। स्वास्थ्य आयुक्त के दौरे का उध्देश्य आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के तहत एमवाय अस्पताल को डिजिटल स्वास्थ्य प्रणाली के लिए तैयार करना है। योजना के तहत मरीजों का पूरा मेडिकल रिकार्ड डिजिटल प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे मरीजों को अधिक संख्या में पेपर नहीं संभालना पड़ेंगे।

दिग्विजय सिंह ने उठाए राम मंदिर ट्रस्ट पर सवाल, पूछा

कहां है करोड़ों लोगों के चंदे का हिसाब

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर की दान राशि में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्र की भाजपा पर हमला बोला है। साथ ही उन्होंने मंदिर ट्रस्ट प्रबंधन पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। दिग्विजय ने कहा कि भारत के इतिहास में आजादी के पहले व आजादी के बाद पहली बार ऐसी हुकूमत आई है, जिसकी हुकूमत में मंदिर की दान राशि में घोटाला हो रहा है। दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को निशाने पर लेते हुए कहा चंपत राय से बड़ा बेईमान और भ्रष्ट कोई नहीं है। भगवान राम के मंदिर पर जमकर चंदाखोरी की गई। उन्होंने कहा कि केवल किसी ट्रस्टी के इस्तीफे से मामला खत्म नहीं होता। ट्रस्ट की व्यवस्था की जिम्मेदारी चंपत राय पर है और उन्हें पूरे मामले की जवाबदेही लेनी चाहिए।

दिग्गी ने यह भी लगाया आरोप

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि वर्ष 1992 के बाद राम मंदिर आंदोलन के दौरान करीब साढ़े 12 करोड़ लोगों ने चंदा दिया था, जिसका आज तक पूरा हिसाब जनता के सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे ने जो एक करोड़ रुपये दिए और चांदी की शिलाएं दीं, उनकी रसीद और हिसाब अब तक नहीं मिला। दिग्विजय सिंह ने कहा, यह आरएसएस मॉडल ऑफ गवर्नेंस है। आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद अयोध्या में चंदा चोरी करने वालों को बचाने में लगे हुए हैं। ये लोग सनातन का विनाश कर रहे हैं और सनातनियों के साथ धोखा कर रहे हैं।

एसआईटी जांच और एफआईआर पर सवाल

पूर्व सीएम ने बताया कि आप पार्टी के सांसद संजय सिंह ने एसआईटी प्रमुख को 11 बिंदु भेजे और जांच की मांग की थी। एसआईटी की रिपोर्ट के बाद अयोध्या में एफआईआर हुई, लेकिन दोषियों का रिमांड लिए जाने की बजाय उन्हें गिरफ्तार कर सीधे जेल भेज दिया गया। दिग्विजय ने मांग की कि दोषियों के खिलाफ विस्तृत जांच कर एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर निर्माण पूरा होने के बाद भी उसकी व्यवस्थाएं विश्व हिंदू परिषद के हाथों में हैं। उन्होंने देशभर के अनेक मंदिरों और मठों का उदाहरण दिया, जिनकी व्यवस्थाएं संत-महात्माओं के पास रहती हैं

शिक्षकों से अधिकारियों तक सबकी होगी ऑनलाइन हाजिरी

एक जुलाई से बदलेंगे स्कूलों के नियम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग ने उपस्थिति व्यवस्था को लेकर बड़ा निर्णय लिया है। अब तक ई-अटेंडेंस केवल शिक्षकों के लिए लागू थी, लेकिन अब विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करेंगे। लोक शिक्षण संचालनालय के आयुक्त अभिषेक सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। 1 जुलाई 2026 से स्कूल शिक्षा विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी हमारे शिक्षक प्रणाली के माध्यम से अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करेंगे। इसके साथ ही अवकाश संबंधी जानकारी भी ऑनलाइन माध्यम से दर्ज करना अनिवार्य होगा। नए निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि ई-अटेंडेंस प्रणाली अब स्कूल शिक्षा विभाग के सभी स्तरों पर समान रूप से लागू होगी। इसका उद्देश्य विभागीय कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाना और कर्मचारियों की उपस्थिति की बेहतर निगरानी करना है।

इन कार्यालयों में लागू होगा नया नियम

डीपीआई के आदेश के अनुसार, यह व्यवस्था स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी कार्यालयों में लागू रहेगी। इसमें लोक शिक्षण संचालनालय, राज्य शिक्षा केंद्र, जिला शिक्षा अधिकारी (छश्वह) कार्यालय, जिला शिक्षा केंद्र और विभिन्न प्रशिक्षण संस्थान शामिल हैं। इन सभी स्थानों पर कार्यरत अधिकारी और कर्मचारियों को नियमित रूप से हमारे शिक्षक एप के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करनी होगी। साथ ही अवकाश से जुड़ी जानकारी भी इसी प्रणाली में अपडेट करनी होगी।

मेट्रो एंकर

संगीत परंपरा को जीवंत रखने गुरुकुल की हो रही स्थापना

सुरों की विरासत का सम्मान: राष्ट्रीय सूची में शामिल हुआ मैहर बैंड

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश की अनमोल धरोहरों को वैश्विक पटल पर स्थापित करने के दृढ़ संकल्प के फलस्वरूप मध्यप्रदेश की संगीत विरासत को एक और ऐतिहासिक गौरव प्राप्त हुआ है। माँ शारदा की नगरी की धरोहर और विश्वविख्यात मैहर वाद्यवृंद (मैहर बैंड) को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में सम्मिलित कर लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की लोक-संस्कृति और कलाओं को अक्षुण्ण रखने की नीति के अंतर्गत संस्कृति विभाग द्वारा उठाए गए प्रभावी कदमों का ही यह सुखद परिणाम है। अपर मुख्य सचिव संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व और सामान्य प्रशासन शिव शेखर शुक्ला ने मैहर बैंड के प्रतिभावान कलाकारों एवं शासकीय संगीत महाविद्यालय, मैहर को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहरों में से भगोरिया नृत्य और गोंड चित्रकला को भी इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सूची में स्थान मिल चुका है।

मुख्यमंत्री की कला-संस्कृति के प्रति अनुराग के अनुरूप प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने के लिए संस्कृति विभाग द्वारा निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विभाग की इस सांस्कृतिक यात्रा में पूर्व में सात गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी प्राप्त हो चुके हैं। मैहर बैंड की इस अनूठी संगीत परंपरा को जीवंत रखने और आगामी पीढ़ी तक सुरक्षित पहुंचाने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग द्वारा शासकीय संगीत महाविद्यालय, मैहर के माध्यम से एक गुरुकुल की स्थापना भी की जा रही है। इस गुरुकुल पद्धति से प्रशिक्षित होकर युवा कलाकार मैहर बैंड के अनूठे संगीत, रागों और इसकी गौरवशाली गुरु-शिष्य परंपरा को और अधिक समृद्ध कर सकेंगे।

मैहर बैंड का गौरवशाली इतिहास

स्वर और साधना के अद्भुत संगम मैहर बैंड का इतिहास बेहद गौरवशाली और अनूठा है। इसकी स्थापना वर्ष 1918 में महान संगीत मनीषी उस्ताद अलाउद्दीन खाँ साहब ने मैहर रियासत के तत्कालीन महाराजा बृजनाथ सिंह जूदेव की प्रेरणा से की थी। भारतीय शास्त्रीय संगीत के इतिहास में यह विश्व का पहला ऐसा शास्त्रीय वाद्यवृंद (ऑर्केस्ट्रा) है, जिसने संगीत प्रेमियों को एक नए वितान से परिचित कराया। बीते 108 वर्षों के अपने सुदीर्घ और यशस्वी सफर में इस बैंड ने अपनी मौलिकता और शास्त्रीय गरिमा को जीवंत रखा है। धरोहर के रूप में इसके कलाकारों ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी इस अनमोल वाद्यवृंद की परंपरा को पूरी निष्ठा के साथ संजोकर रखा है। मैहर बैंड की सबसे बड़ी विशेषता इसके दुर्लभ वाद्ययंत्र और उस्ताद अलाउद्दीन खाँ साहब द्वारा तैयार की गई विशेष शास्त्रीय बंदिशें हैं। इस वाद्यवृंद में सितार, सरोद, इसराज, वायलिन, चेलो, सितार-बैंजो, हारमोनियम और तबला जैसे पारंपरिक एवं पाश्चात्य वाद्यों का अनूठा मेल है। इनमें सबसे अनोखा और मुख्य आकर्षण नलतरंग है।

ट्रेवल गाइड

सिक्किम का लाचेन

बादलों के बीच बसा एक स्वर्ग... यहां पहाड़ों से होती है मुलाकात

सिक्किम की वादियों में कुछ जगहें ऐसी हैं जहां पहुंचते ही लगता है जैसे प्रकृति ने अपनी सबसे सुंदर तस्वीर यहीं बनाई हो। ऐसी ही एक जगह है लाचेन – उत्तरी सिक्किम का छोटा-सा खूबसूरत पहाड़ी गांव, जो बर्फ से ढके पहाड़ों, नीले आसमान और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां की यात्रा केवल घूमना नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ कुछ दिन बिताने का अनुभव है।

लाचेन समुद्र तल से लगभग 9,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। चारों तरफ ऊंचे पहाड़, बहती नदियां और दूर तक फैली हरियाली इसे एक सपनों जैसी जगह बना देती है। यहां से आगे बढ़कर दुनिया की सबसे खूबसूरत ऊंचाई वाली झीलों में शामिल गुरुडोंगमार झील तक पहुंचा जा सकता है।

लाचेन यात्रा की जरूरी जानकारी

कहां है: उत्तरी सिक्किम, **सबसे अच्छा समय:** अप्रैल से जून: हरियाली और सुहाना मौसम, **अक्टूबर से दिसंबर:** साफ आसमान और शानदार नजारे, **जनवरी**– मार्च में बर्फ देखने का मौका, लेकिन मौसम कठिन हो सकता है
ऊंचाई: लगभग 9,000 फीट, **नजदीकी बड़ा शहर:** गंगटोक
कैसे पहुंचे: रास्ता गाइड- लाचेन पहुंचने के लिए सबसे पहले सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंचना होता है।
हवाई मार्ग: नजदीकी एयरपोर्ट पाकयोंग हवाई अड्डा है। यहां से गंगटोक पहुंचकर आगे की यात्रा शुरू की जाती है। हालांकि कई यात्री बागडोगरा हवाई अड्डा से भी आते हैं।
सड़क मार्ग: गंगटोक से लाचेन की दूरी लगभग 100-110 किलोमीटर है, लेकिन पहाड़ी रास्तों के कारण समय ज्यादा लगता है। आमतौर पर 6-8 घंटे लग सकते हैं।
रास्ते में खूबसूरत नजारे मिलते हैं: तीस्ता नदी, पहाड़ी मोड़, छोटे गांव और झरने यात्रा को यादगार बना देते हैं।
गंगटोक से लाचेन की यात्रा: सुबह जल्दी गंगटोक से निकलना बेहतर रहता है। रास्ते में कई जगह रुककर फोटो खींचने का मन करेगा। पहाड़ों के बीच से गुजरती सड़क और नीचे बहती नदी इस सफर को खास बना देती है।

रास्ते में कई छोटे कैफे मिल जाते हैं जहां चाय, मैगी और स्थानीय भोजन का आनंद लिया जा सकता है।

शाम तक लाचेन पहुंचकर होटल या होमस्टे में आराम करना अच्छा रहता है क्योंकि अगले दिन सुबह जल्दी गुरुडोंगमार झील के लिए निकलना पड़ता है।

घूमने की खास जगहें

1. **गुरुडोंगमार झील:** ऊंचाई लगभग 17,000 फीट, बर्फीले पहाड़ों से घिरी अद्भुत झील, सुबह का समय सबसे अच्छा, 2. **लाचेन गांव:** स्थानीय संस्कृति और शांत जीवन देखने का मौका 3. **थांगू वैली:** खूबसूरत पहाड़ी घाटी, बर्फीले मौसम में खास आकर्षण

गुरुडोंगमार झील: यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण, लाचेन आने वाले ज्यादातर यात्रियों का सपना गुरुडोंगमार झील देखना होता है। सुबह करीब 3-4 बजे निकलना पड़ता है ताकि मौसम साफ मिले।

रास्ता कठिन है, हवा पतली होती है और ठंड काफी ज्यादा हो सकती है। लेकिन जब सामने नीले रंग की झील और सफेद पहाड़ दिखाई देते हैं तो सारी थकान खत्म हो जाती है।

मान्यता है कि यह झील स्थानीय लोगों के लिए धार्मिक महत्व रखती है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता किसी तस्वीर जैसी लगती है।

यात्रा में ध्यान रखने वाली बातें: उत्तरी सिक्किम जाने के लिए परमिट की जरूरत होती है। ऊंचाई पर जाने से पहले शरीर को मौसम के अनुसार ढालना जरूरी है। गर्म कपड़े, दस्ताने और टोपी जरूर रखें। नेटवर्क कई जगह कमजोर मिल सकता है। स्थानीय गाइड या अनुभवी ड्राइवर के साथ यात्रा करना बेहतर रहता है।

अनुमानित यात्रा प्लान (5 दिन)

दिन 1: गंगटोक पहुंचें, आराम और स्थानीय घूमना
दिन 2: गंगटोक से लाचेन यात्रा
दिन 3: गुरुडोंगमार झील और आसपास की जगहें
दिन 4: लाचुंग/उत्तरी सिक्किम क्षेत्र की यात्रा
दिन 5: गंगटोक वापसी

लाचेन की खूबसूरती सिर्फ उसके पहाड़ों में नहीं, बल्कि वहां की शांति में छिपी है। यहां सुबह की ठंडी हवा, दूर दिखती बर्फीली चोटियां और प्रकृति की खामोशी मन को एक अलग ही अनुभव देती है। अगर आप ऐसी जगह तलाश रहे हैं जहां भीड़ से दूर पहाड़ों के बीच कुछ पल खुद के साथ बिताए जा सकें, तो लाचेन सिक्किम की उन यात्राओं में शामिल है जिन्हें जीवन भर याद रखा जा सकता है।

जीने की राह

'जीवन को समझने की यात्रा'

रमेश भाई ओझा
आध्यात्मिक गुरु

मैंने जीवन को जितना समझने का प्रयास किया, उतना ही यह अनुभव हुआ कि मनुष्य बाहर की दुनिया को जीतने में लगा रहता है, लेकिन अपने भीतर की दुनिया से अनजान रहता है। जीवन का सबसे बड़ा रहस्य यही है कि जिसे हम सुख समझकर बाहर खोजते हैं, उसका स्रोत हमारे भीतर ही मौजूद होता है।

मनुष्य धन, प्रतिष्ठा, संबंध और उपलब्धियों के पीछे दौड़ता रहता है। यह दौड़ बुरी नहीं है, लेकिन जब हम अपनी शांति को इन चीजों से जोड़ देते हैं, तब परेशानी शुरू होती है। वस्तुएं हमारे जीवन को सुविधाजनक बना सकती हैं, लेकिन वे हमारे मन को स्थायी संतोष नहीं दे सकतीं।

मैं कहता हूं कि जीवन एक यात्रा है, मंजिल नहीं। हर दिन हमें कुछ सिखाने आता है। दुख भी शिक्षक है और सुख भी। दुख हमें अपनी सीमाएं दिखाता है और सुख हमें विनम्र रहना सिखाता है। जो व्यक्ति जीवन के दोनों पक्षों को समान भाव से स्वीकार करना सीख जाता है, उसके भीतर एक नई शक्ति जन्म लेती है।

मनुष्य की सबसे बड़ी भूल यह है कि वह स्वयं को केवल शरीर मान लेता है। शरीर बदलता है, उम्र बदलती है, परिस्थितियां बदलती हैं, लेकिन हमारे भीतर जो चेतना है, वह इन सब बदलावों की साक्षी रहती है। जब हम उस चेतना को पहचानते हैं, तब भय कम होने लगता है।

क्रोध, अहंकार और ईर्ष्या मन के ऐसे बंधन हैं जो हमें दूसरों से नहीं, स्वयं से दूर कर देते हैं। हम दूसरों को बदलना चाहते हैं, लेकिन अपने भीतर झांकने का समय नहीं निकालते। यदि मनुष्य प्रतिदिन कुछ क्षण अपने मन को देखने लगे तो उसे अपने जीवन के कई प्रश्नों के उत्तर स्वयं मिलने लगेंगे। प्रेम जीवन का सबसे बड़ा सत्य है। लेकिन प्रेम का अर्थ केवल किसी से लगाव नहीं है। प्रेम वह दृष्टि है जिसमें हम हर जीव में उसी परम सत्ता का अंश देख पाते हैं। जहां स्वार्थ समाप्त होता है, वहीं सच्चे प्रेम का जन्म होता है। मैं यह भी मानता हूं कि कर्म जीवन का आधार है। भाग्य हमारे पुराने कर्मों का परिणाम हो सकता है, लेकिन वर्तमान कर्म हमारे भविष्य को बना सकते हैं। इसलिए निराशा में बैठना जीवन का अपमान है। हमें अच्छे विचार, अच्छे कर्म और सकारात्मक दृष्टि के साथ आगे बढ़ना चाहिए। जीवन का रहस्य किसी दूर की गुफा में नहीं छिपा है। वह हमारे व्यवहार, हमारी सोच और हमारे रोजमर्रा के छोटे-छोटे निर्णयों में छिपा है। जिसने अपने मन को जीत लिया, उसने संसार को जीतने का मार्ग पा लिया।

अंततः जीवन हमें यही सिखाता है कि बाहर की यात्रा से पहले भीतर की यात्रा जरूरी है। स्वयं को जानना ही सबसे बड़ा ज्ञान है, और यही ज्ञान मनुष्य को वास्तविक स्वतंत्रता देता है।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 28 जून से 04 जुलाई तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: राशि के जातक इस सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत हैं मेष राशि के जातक व्यापार व्यवसाय एवं अपने कार्य क्षेत्र में उपस्थित बढ़ाओ को दूर करने में सक्षम रहेंगे, साथी आपके घर परिवार में आगामी दिनों में होने वाली मांगलिक कार्य की तैयारी पूर्णता की ओर होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह अत्यंत परिश्रम भरा रहने के संकेत हैं आशा के विपरीत आपके अधिनस्थ और उच्च पद प्रतिष्ठा वाले लोगों से परिणाम न मिलने से मन में व्यग्रता का भाव रह सकता है, लेकिन सप्ताह के अंत में कुछ कार्य संपन्न होने के संकेत मिल रहे हैं,अतः निराश ना हो।

मिथुन: राशि के जातक इस सप्ताह में धनागम व्यापार व्यवसाय विशेष रूप से साहित्य जगत में कार्य करने वाले जातक लेखन पत्रकारिता आदि के क्षेत्र में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, आप अपने बौद्धिक स्तर से मान सम्मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सक्षम रहेंगे, आई के साधन बढ़ेंगे, तथा बच्चों के कार्य समय पर होने से मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा।

कर्क: राशि के जातक इस सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, विशेष रूप से मांगलिक कार्य धार्मिक यात्रा तीर्थ स्थलों का दर्शन एवं प्राकृतिक स्थान का भ्रमण जैसे कार्य में समय व्यतीत होगा, और घर परिवार के साथ भ्रमण का आनंद और यात्रा का अवसर आपके मन को प्रफुल्लित करेगा, संतति के कार्यों में उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं।

सिंह: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में व्यवहार की अधिकता रहने के संकेत मिल रहे हैं, आगामी दिनों में बच्चों की शिक्षा दीक्षा साथी घर की परिवार की अन्य व्यवस्थाओं में आपकी व्यस्तता रहने की संकेत है, और आय से अधिक व्यय का भार आ सकता है, अतः अपने आर्थिक कार्यों में विशेष सावधानी रखना नितांत आवश्यक है, मानसिक चिंता बनी रहेगी।

कन्या: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह अत्यंत अनुकूल होने के संकेत मिल रहे हैं, घर परिवार के लोगों के द्वारा साथी मित्रों के द्वारा आपको उत्तम सहयोग प्राप्त होगा, जिससे कई दिनों से लंबित कार्य संपन्न हो सकता है, संतति के कार्यों में सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

तुला: तुला राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल होने के संकेत हैं, व्यापार व्यवसाय कृषि एवं अन्य कार्यों में आपको उत्तम लाभ के संकेत मिल रहे हैं, सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को उत्तम पद प्रतिष्ठा एवं मान सम्मान प्राप्त होगा।

वृश्चिक: राशि के जातकों को आर्थिक प्रभार बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं आए और व्यय में संतुलन बनाकर रखने की आवश्यकता है, आय से अधिक व्यय करने से बच्चे साथी अनावश्यक व्यय करना आपको कठिनाई में डाल सकता है पता लेनदेन में विशेष सावधानी रखें।

धनु: राशि के जातक इस समय कुछ कठिनाई के दौर से गुजर रहे हैं आपको घर परिवार के किसी बुजुर्ग के कारण मानसिक चिंतन बना हुआ है, उनके स्वास्थ्य की अथवा अन्य किसी प्रकार की चिंता कठिनाई में डाले हुए हैं, आप अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें शरीर में पीड़ा मन में चिंता रहने से आपको कठिनाई महसूस हो रही है,ऐसे समय में हनुमान जी की आराधना, उपासना, शनि का दान करना उत्तम फल देने वाला रहेगा।

मकर: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, जिस लक्ष्य को लेकर आप निरंतर परिश्रम कर रहे हैं ,उसे लक्ष्य की पूर्ति का संकेत मिल रहा है, और आप निरंतर अपने कार्यों में निष्ठा के साथ लग रहे भविष्य में आपको उत्तम सफलता प्राप्त होगी, व्यापार व्यवसाय एवं कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को आगामी दिनों में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे।

कुंभ: राशि के जातक निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर होने के संकेत मिल रहे हैं, आपके द्वारा किए गए प्रयासों से सामाजिक आर्थिक एवं अन्य मोचन पर घर परिवार की प्रतिष्ठा बढ़ेगी, व्यापार व्यवसाय में प्रगति होने से साथी घर परिवार के कार्यों को करने में सफलता मिलने से परिवार में आनंद का वातावरण बना रहेगा।

मीन: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में कुछ उतार चढ़ाव एवं मानसिक चिंतन का समय रहेगा, ऐसे अवसर पर वरिष्ठ जनों एवं गुरुजनों से मिलकर सलाह लेकर अपने कार्यों का संपादन करें, नवीन व्यापार व्यवसाय अथवा किसी भवन भूमि या वस्तु के क्रय विक्रय में सोच समझकर कार्य करें अन्यथा आपको कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है स्वास्थ्य के प्रति सजगता रखें, उधर विकार से आपको कठिनाई हो सकती है।

दिया कबीरा रोय

'लोकतंत्र का नया मौसम'

गिरीश पंकज
व्यंग्यकार

लोकतंत्र भी बड़ा अद्भुत मौसम है। यहां कब कौन-सी हवा चल पड़े, इसका अंदाजा मौसम विभाग भी नहीं लगा सकता। कभी विचारधाराओं की आंधी आती है, कभी गठबंधन की बारिश होती है और कभी ऐसा सूखा पड़ता है कि नेता जी को पुराने वादों की फाइलें खोलकर पानी ढूंढना पड़ता है।

आज की राजनीति में सबसे बड़ा बदलाव यह है कि पहले नेता जनता के बीच जाते थे, अब जनता को नेता तक पहुंचने के लिए 'संपर्क अभियान' चलाना पड़ता है। चुनाव के समय नेता जी इतने विनम्र हो जाते हैं कि लगता है जैसे बचपन से ही हाथ जोड़ने की ट्रेनिंग ले रहे हों। लेकिन जैसे ही कुर्सी मिलती है, वही हाथ आदेश देने की मुद्रा में आ जाते हैं।

राजनीति में अब विचारधारा भी बड़ी समझदार हो गई है। वह नेताओं के साथ-साथ चलती है, लेकिन रास्ते में कहीं भी मोड़ आ जाए तो बिना शिकायत दिशा बदल लेती है। कल तक जो नेता एक-दूसरे को लोकतंत्र का दुश्मन बता रहे थे, आज लोकतंत्र बचाने के लिए एक साथ मंच पर खड़े दिखाई देते हैं। जनता सोचती रह जाती है कि यह दोस्ती है, मजबूरी है या कोई नया राजनीतिक योगासन।

आजकल दल बदल भी पुरानी आदतों जैसा हो गया है। जैसे लोग मौसम के हिसाब से कपड़े बदलते हैं, वैसे ही कुछ नेता सत्ता के हिसाब से राजनीतिक रंग बदल लेते हैं। मजेदार बात यह है कि हर बार बदलाव को 'जनता की आवाज' बताया जाता है। जनता बेचारा सोचता है कि उसकी आवाज इतनी तेज कब हो गई कि उसे पता ही नहीं चला।

चुनाव के समय घोषणाओं का बाजार सजता है। हर पार्टी के पास सपनों की ऐसी दुकान खुल जाती है जहां सब कुछ मुफ्त मिलता है–खुशहाली, रोजगार, विकास, सुरक्षा और अच्छे दिन। लेकिन चुनाव खत्म होते ही जनता जब बिल मांगती है तो पता चलता है कि छोटी-छोटी शर्तें नीचे लिखी थीं, जिन्हें पढ़ने के लिए चश्मा भी कम पड़ जाए।

मीडिया और राजनीति का रिश्ता भी दिलचस्प हो गया है। नेता चाहते हैं कि उनकी हर बात सुर्खी बने और जनता चाहती है कि उसकी असली परेशानी भी कभी सुर्खी बने। लेकिन कई बार महंगाई, बेरोजगारी और रोजमर्रा की दिक्कतें पीछे छूट जाती हैं और राजनीति की आतिशबाजी सामने आ जाती है।

आज का नेता सोशल मीडिया का योद्धा भी है। वह जमीन पर कितना सक्रिय है, यह बाद की बात है, लेकिन इंटरनेट की जमीन पर उसकी सेना हमेशा तैयार रहती है। सुबह का बयान शाम तक इतिहास बदल देता है और रात तक नया बयान आ जाता है।

फिर भी लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि अंतिम फैसला जनता के हाथ में रहता है। नेता चाहे जितनी रणनीति बना लें, जनता के पास एक दिन ऐसा आता है जब वह अपनी उंगली से सबसे बड़ा फैसला लिख देती है।

शायद राजनीति को भी कभी-कभी आईना देखने की जरूरत है–क्योंकि आईना झूठ नहीं बोलता, सिर्फ चेहरा दिखाता है।

मानसून ब्यूटी टिप्स

मानसून में फेशियल स्टीमिंग के होते हैं कई फायदे, स्किन नहीं होगी चिपचिपी, ब्लैकहेड्स, मुंहासे भी होंगे दूर

बारिश के मौसम में कई तरह की बीमारियों के होने का रिस्क बढ़ जाता है। साथ ही स्किन भी इस मौसम में काफी प्रभावित होती है। चेहरा अधिक तैलीय, चिपचिपा नजर आता है। पोर्स बंद हो जाते हैं, जिससे मुंहासे अधिक होने लगते हैं। ऐसे में इन सभी समस्याओं से छुटकारा दिलाएगा आपको फेशियल स्टीमिंग यानी चेहरे पर गर्म पानी का भाप लेना। जानिए, मानसून में फेशियल स्टीमिंग के क्या फायदे हो सकते हैं।

मानसून बेशक गर्मी से राहत दिलाता है, लेकिन साथ ही ये स्किन संबंधित भी कई तरह की समस्याओं को बढ़ा देता है। बारिश के मौसम में नमी बढ़ने, स्किन पर चिपचिपापन रहना (खासकर ऑयली स्किन), पोर्स का बंद होना, एक्ने, मुंहासे होने की समस्या काफी बढ़ जाती है। ऐसे में मानसून में स्किन की केयर हर दिन सही तरीके से ना करने से त्वचा अनहेल्दी नजर आती है। बारिश के मौसम में रेगुलर स्किन केयर, साफ-सफाई के साथ ही स्टीमिंग यानी भाप लेना भी स्किन को हेल्दी रखने का बेस्ट तरीका है। सप्ताह में एक से दो बार स्टीमिंग करने से स्किन के बंद पोर्स खुलते हैं। गंदगी निकलती है। स्किन से डेड स्किन सेल्स निकल जाती हैं। जानिए, मानसून में स्किन स्टीमिंग के और क्या फायदे हो सकते हैं।

भाप से निकल जाती है गंदगी

बारिश के दिनों में फेशियल स्टीमिंग करने से बंद पोर्स खुलते हैं। त्वचा के नीचे की परत में घुसी गंदगी निकल जाती है। रोमछिद्र खुलने से स्किन खुलकर सांस लेती है। भाप के कारण एक्स्ट्रा ऑयल, जमी हुई गंदगी भी निकल जाती हैं, जिससे स्किन साफ-सुथरी नजर आती है।

जब भाप लेते हैं तो गंदगी निकलती है। इस तरह से मुंहासे, एक्ने, फोड़े-फुंसी होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। चेहरे पर मौजूद मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया हट जाते हैं।

न्यूज विंडो

पुराने बैंक भवन पर अवैध निर्माण को लेकर विवाद, जांच की मांग तेज

अनूपपुर। अमरकंटक नगर क्षेत्र में एक पुराने भवन पर चल रहे निर्माण कार्य को लेकर विवाद गहराता जा रहा है जिस भवन में पूर्व में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा संचालित होती थी, उसी परिसर में कथित रूप से अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार इस निर्माण कार्य को लेकर पूर्व में एसडीएम द्वारा कार्रवाई करते हुए काम रुकवाया गया था। इसके बावजूद कुछ समय बाद संबंधित ठेकेदार द्वारा निर्माण स्थल के सामने ग्रीन नेट लगाकर पुनः कार्य शुरू किए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासनिक रोक के बाद भी निर्माण कार्य जारी रहना कई सवाल खड़े करता है। नगर पालिका से जुड़े एक कथित बिचौलिए को राशि देकर निर्माण कार्य दोबारा शुरू कराया गया। साथ ही अमरकंटक विकास प्राधिकरण की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है। चूंकि संबंधित भवन पहले एक राष्ट्रीयकृत बैंक की शाखा के रूप में उपयोग में था, इसलिए भूमि एवं भवन की वर्तमान स्थिति, स्वामित्व और निर्माण की वैधता की जांच आवश्यक है।

डिजिटल दुनिया में सतर्कता ही सुरक्षा है समाज को जागरूक बनाएं: भलावी

गंजबासौदा। साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत एसडीओपी शिखा भलावी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्रभावशालियों (इन्फ्लुएंसर्स) के साथ साइबर सुरक्षा विषय पर जागरूकता चर्चा आयोजित की। कार्यक्रम का उद्देश्य डिजिटल माध्यमों से अधिक से अधिक लोगों तक साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी पहुंचाना रहा। चर्चा के दौरान ऑनलाइन गेमिंग की लत और उससे जुड़े जोखिम, फर्जी समाचारों के प्रसार, ऑनलाइन नौकरी के नाम पर होने वाली ठगी, केवाईसी अपडेट के बहाने किए जाने वाले साइबर अपराध, फर्जी लॉटरी तथा ओटीपी साझा कर ठगी जैसी घटनाओं से बचाव के प्रभावी उपाय बताए गए। एसडीओपी भलावी ने कहा कि सोशल मीडिया प्रभावशाली व्यक्ति समाज में जागरूकता फैलाने की महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने सभी से स्वयं सतर्क रहने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और आमजन को भी साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करने की अपील की। अभियान के दौरान उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने साइबर सुरक्षा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

एंबुलेंस व्यवस्था लड़खड़ाई, पटवारी ने घायल को पहुंचाया अस्पताल

औबेदुल्लागंज। भोपाल-नर्मदापुरम हाईवे पर सड़क दुर्घटनाओं में घायलों के लिए औबेदुल्लागंज के पटवारी विनीत शर्मा किसी देवदूत से कम नहीं हैं। पूर्व सैनिक रहे विनीत शर्मा अपनी जान और समय की परवाह किए बिना दुर्घटनाग्रस्त लोगों को तत्काल अपने निजी वाहन से अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाने का प्रयास करते हैं। उनका कहना है कि घायल की सेवा करना भी उनके लिए राष्ट्रसेवा का ही हिस्सा है। लेकिन इस मानवीय पहल के बीच स्वास्थ्य विभाग और 108 एंबुलेंस सेवा की लचर व्यवस्था गंभीर सवालों के घेरे में है। शुक्रवार को भी विनीत शर्मा एक गंभीर रूप से घायल युवक को शासकीय अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन सिर में गंभीर चोट होने के बावजूद करीब दो घंटे तक 108 एंबुलेंस नहीं पहुंची। आखिरकार परिजनों को निजी वाहन किराए पर लेकर मरीज को भोपाल ले जाना पड़ा। विनीत शर्मा का कहना है कि यह कोई पहला मामला नहीं है। हाईवे पर अक्सर हादसों में एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंचती। कई बार सामूहिक दुर्घटनाओं में भी यही स्थिति रहती है। स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में तैनात एंबुलेंस या तो उपलब्ध नहीं रहतीं या उनका लोकेशन कहीं और होता है। आरोप है कि 108 सेवा ठेका कंपनी की लापरवाही का शिकार बन गई है, जबकि स्वास्थ्य अधिकारी भी जिम्मेदारी लेने के बजाय जिला समन्वयक का नंबर थमा देते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आपातकालीन सेवा आखिर किसके भरोसे चल रही है?

बेटे की हत्या का लिया बदला, मंदसौर में आरोपी के पिता को चाकू से गोदा

मंदसौर। मंदसौर में खून के बदले खून का मामला सामने आया है। यहां एक पिता ने दो महीने पहले हुई बेटे की हत्या का बदला मुख्य आरोपी के पिता को मौत के घाट उतारकर लिया। बताया जा रहा है कि पीड़ित को करीब 5-6 लोगों ने पहले रॉड लेकर दौड़ते हुए बेरहमी से मारा और फिर कई चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस इस मामले को दो महीने पहले हुए एक मामले से जोड़कर देख रही है जहां एक युवक की आतें निकालकर निर्मम हत्या कर दी थी।

दरअसल, मंदसौर शहर के संजीत रोड पर स्थित बावड़ी वाले बालाजी मंदिर के पास रास्ते पर शनिवार सुबह करीब साढ़े छह बजे बाइक सवार 5-6 बदमाशों ने खेत से फूल तोड़कर आ रहे बाइक सवार रवि माली उम्र 42 निवासी कर्मचारी कॉलोनी अभिनंदन नगर को रोका। बदमाशों ने रवि पर टॉमी रॉड से हमला किया और चाकू से गोद दिया। जिससे रवि की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या कर आरोपी फरार हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मौका पंचनामा बनाया। मौके पर फारेसिंक की टीम पहुंची। टीम ने साक्ष्य जुटाए। पुलिस शव को पोस्टमार्टम रुम लेकर आई। यहां पर डॉक्टर ने शव का पोस्टमार्टम किया। इसके बाद आक्रोशित परिजनों सहित समाजजन गांधी चौराहा पर एकत्रित हुए। यहां सड़क पर बैठकर शव रख प्रदर्शन किया। यहां पर परिजनों और समाजजनों ने मांग की कि हत्या की त्वरित और मजिस्ट्रीयल जांच करवाई जाए। दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई और मकानों पर बुलडोजर की कार्रवाई की जाए। पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दी जाए। आरोपियों का जुलूस निकाला जाए। हत्या में शामिल आरोपियों और उनके सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। एएसपी तेरसिंह बघेल ने आश्वासन दिया उसके बाद परिजन माने।

दद्दा घाट पर नहाने के लिए गए थे तीन दोस्त

तीन दोस्तों की डूबने से मौत, एक को बचाने के लिए लगाई थी छलांग

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जबलपुर के तिलवारा थाना क्षेत्र स्थित नर्मदा नदी के दद्दा घाट में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। नदी में नहाने गए तीन दोस्तों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में दो किशोर और एक युवक शामिल हैं। पुलिस ने तीनों के शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। तिलवारा थाना प्रभारी बृजेश मिश्रा ने बताया कि गढ़ा थाना क्षेत्र के मुजावर मोहल्ला निवासी 19 वर्षीय शेख साहिल, 16 वर्षीय मोईन खान और 15 वर्षीय शेख आशिक आपस में अच्छे दोस्त थे और एक ही इलाके में रहते थे। रविवार दोपहर करीब तीन बजे तीनों दोस्त नर्मदा नदी में स्नान करने के लिए दद्दा घाट पहुंचे थे। दद्दा घाट पर वाटर सप्लाई का एक प्लांट बना हुआ है, जिसके पास नदी काफी गहरी है। नहाते समय एक किशोर प्लांट के पास गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए उसके दोनों दोस्त भी गहरे पानी में उतर गए। लेकिन गहराई अधिक होने के कारण तीनों खुद भी पानी में डूबने लगे। घाट पर मौजूद लोगों ने तीनों को डूबता देखा तो उन्हें बचाने के लिए तुरंत नदी में छलांग लगा दी। लेकिन जब तक लोग उनके पास पहुंचते, तब तक तीनों पानी में डूब चुके थे। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही तिलवारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में तलाश अभियान शुरू किया गया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद तीनों को नदी से बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक तीनों की डूबने से मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। एक ही मोहल्ले के तीन युवाओं की एक साथ मौत की खबर मिलते ही पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। तीनों परिवारों में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मेघदूत होटल के पास पलटी यात्री बस; 20 यात्री हुए घायल

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

इंदौर से उज्जैन आ रही सपना ट्रैवल्स की एक यात्री बस बीती रात करीब एक से 1:30 बजे के बीच भीषण हादसे का शिकार हो गई। इंदौर-उज्जैन रोड पर मेघदूत होटल के पास बस अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे करीब 20 यात्री घायल हो गए। इनमें कुछ को मामूली, जबकि कुछ को गंभीर चोटें आई हैं।

बताया जा रहा है कि बस इंदौर बस स्टैंड से सवारियां लेकर उज्जैन के नानाखेड़ा बस स्टैंड के लिए रवाना हुई थी। बस में क्षमता से अधिक यात्री सवार थे और कई लोग खड़े होकर सफर कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मेघदूत होटल के समीप चालक कथित रूप से नशे की हालत में था और लापरवाही से बस चला रहा था। इसी दौरान बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और पलट गई। हादसे के समय तेज बारिश भी हो रही थी, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। घायलों में इंदौर में एक शादी समारोह से लौट रहा एक परिवार भी शामिल है। यात्रियों ने बताया कि अचानक जोरदार झटका लगा और बस पलट गई। इसके बाद बस में चीख-पुकार मच गई। कई यात्री सीटों के नीचे दब गए। सूचना मिलते ही नानाखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। कई यात्रियों का उपचार जारी है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस को जब्त कर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है तथा आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। चालक का मेडिकल परीक्षण भी कराया जा रहा है।

पन्ना में पति के सामने खुला राज

सुहागरात पर दुल्हन को फोन पर बात करते सुना तो रह गया दंग

पन्ना। दोपहर मेट्रो

जिले में एक युवक लुटेरी दुल्हन का शिकार होते-होते बच गया। उसकी शादी तो हो गई लेकिन सुहागरात में ही वो दुल्हन का राज जान गया और अगली सुबह बहन के साथ मिलकर दुल्हन को पकड़कर थाने ले गया। पुलिस ने पीड़ित पति की शिकायत पर पकड़ी गई महिला सहित तीन लोगों पर मामला दर्ज किया है। घटना अमानगंज थाना क्षेत्र की है। पीड़ित युवक ने दो लाख रुपये देकर महिला के साथ शादी की थी।

अमानगंज थाना क्षेत्र के मुकेहा गांव में रहने वाले 35 वर्षीय केतार सिंह राजपूत ने थाना अमानगंज में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहली पत्नी एवं इकलौते पुत्र की मृत्यु हो चुकी है। परिवार के कहने पर वह दोबारा विवाह के लिए लड़की की तलाश कर रहा था। इसी दौरान 18 जून को उसके मोबाइल पर नीरज पटेल नामक व्यक्ति का फोन आया, जिसने जबलपुर निवासी अंजली टेकाम से शादी कराने का प्रस्ताव दिया और इसके लिए 2 लाख 20 हजार रुपये की मांग की। बातचीत के बाद सौदा दो लाख रुपये में तय हो गया। शिकायतकर्ता के अनुसार 24 जून को वह अपनी बहन, जीजा और एक साथी के साथ पवई पहुंचा। जहां नीरज पटेल, अंजली टेकाम और जानकी नामक महिला मिले। कोर्ट में नोटरी कराने के बाद कलेही माता मंदिर में विवाह की रस्म पूरी कराई गई। इसके बाद सभी लोग अमानगंज-पवई मार्ग स्थित एक लॉज पहुंचे। जहां शिकायतकर्ता ने अपनी बहन, जीजा, साथी तथा दोनों महिलाओं की मौजूदगी में नीरज पटेल को दो लाख रुपये दे दिए। रात में शिकायतकर्ता और अंजली लॉज में रुके। इसी दौरान अंजली ने सोने का बहाना बनाकर मोबाइल पर नीरज पटेल से बातचीत की।

सिर-सीने में भालू ने किए जानलेवा वार, लहूलुहान हालात में बुजुर्ग महिला खुद चलकर पहुंची अस्पताल

पन्ना। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में 65 साल की वृद्धा ने ऐसा साहस दिखाया कि इलाके में आज हर कोई उनकी बात कर रहा है। पन्ना जिले से साहस, जिजीविषा और अदम्य हिम्मत की एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। जिले के पाठा गांव में 65 वर्षीय बुजुर्ग हल्की बाई ने खूंखार जंगली भालू के जानलेवा हमले के बाद जिस तरह मौत को मात दी, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और करीब दो किलोमीटर तक लहूलुहान हालत में जंगल से निकलकर मुख्य सड़क तक पहुंचीं, जहां राहगीरों की मदद से उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना का पता जैसे ही गांव को चला वैसे ही लोग बुजुर्ग महिला को देखने अस्पताल पहुंचे।

बीते दिन हल्की बाई रोजाना के कामकाज से जंगल की ओर गई थीं।

इसी दौरान अचानक एक जंगली भालू ने उन पर हमला कर दिया। भालू ने उनके सिर, सीने, हाथ और पैरों पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ीं। वह सड़क पर लहूलुहान अवस्था में गिरी हुई थी। शरीर से ज्यादा खून निकल जाने और दर्द के कारण वह बेहोश हो गईं। बताया जा रहा है कि भालू उन्हें मृत समझकर वहां से चला गया।

कुछ देर बाद जब हल्की बाई को होश आया तो उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी जान बचाने की थी। पूरे शरीर पर गंभीर चोटें होने और लगातार खून बहने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। वह घिसटते और धीरे-धीरे चलते हुए लगभग दो किलोमीटर का कठिन रास्ता तय कर जंगल से बाहर मुख्य मार्ग तक पहुंचीं।

राहगीरों की मदद से पहुंची अस्पताल

मुख्य सड़क पर पहुंचने के बाद राहगीरों की नजर घायल महिला पर पड़ी। लोगों ने तत्काल उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया। डॉक्टरों के अनुसार महिला के शरीर पर कई गंभीर घाव हैं, लेकिन समय पर अस्पताल पहुंचने से उनका इलाज संभव हो सका। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम भी सक्रिय हो गई। अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायल महिला का हालचाल जाना और नियमानुसार तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही क्षेत्र में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

रतलाम के 350 वर्ष प्राचीन मंदिर से शहर भ्रमण पर निकलेंगे जगन्नाथ

रतलाम। दोपहर मेट्रो

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा इस साल 16 जुलाई को शहर भ्रमण पर निकलेगी। श्रद्धालु 'जगन्नाथ चक्का नैन नीलाचल वाले...' जैसे भक्तिमय और सुमधुर भजनों के साथ इस पावन यात्रा में शामिल होंगे। थावरिया बाजार स्थित प्राचीन जगदीश मंदिर पर इस रथयात्रा से संबंधित दो दिवसीय उत्सव की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो चुकी हैं।

आयोजन समिति ने बताया कि रथयात्रा के लिए विशेष रथ को सजाने का कार्य जल्द ही प्रारंभ होगा। इस संबंध में जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव समिति, थावरिया बाजार की एक अहम बैठक आयोजित की गई। समिति संस्थापक संयोजक मुन्नालाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में रथयात्रा के विस्तृत कार्यक्रम पर चर्चा हुई और दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय किया गया। इसमें धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल होंगे। अध्यक्ष मंगल लोढ़ा एवं सचिव गोपाल शर्मा ने बताया कि विगत 29 वर्षों से समिति करीब 350 वर्ष पुराने मालवी एवं राजस्थानी शिल्प की पारंपरिक मंदिर शैली से निर्मित जगन्नाथ मंदिर से रथयात्रा महोत्सव का आयोजन करती आ रही है। समिति के संरक्षक विश्वमोहन लोढ़ा, अपूर्व जोशी, अशोक लोढ़ा, मातृशक्ति सदस्य उमा डोई पार्षद, पुष्पा सोनी आदि ने आयोजन को सफल बनाने का आग्रह नागरिकों से किया हैं। इस वर्ष महोत्सव के अंतर्गत 15 जुलाई शाम 7.30 बजे महिला मंडल की ओर से सुंदरकांड का आयोजन होगा। 16 जुलाई सुबह 9 बजे जगन्नाथ की पूजा-अर्चना, सहस्त्रधारा अभिषेक एवं श्रृंगार किया जाएगा। इसके बाद आरती होगी। दोपहर 2.30 बजे जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाएगी। रथयात्रा में घोड़े, बग्गी, ऊंट सहित श्रद्धालु अपने हाथों से रथ खींचते हुए शहर के विभिन्न मार्गों से भ्रमण करेंगे। यात्रा मंदिर से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई पुनः मंदिर प्रांगण पहुंचेगी। शाम को आरती एवं प्रसादी का वितरण किया जाएगा। जगत के नाथ भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा 16 जुलाई को शहर में भक्तिभाव के साथ निकाली जाएगी। प्राचीन थावरिया बाजार स्थित जगदीश मंदिर से शाम को और मोहन टॉकीज क्षेत्र में भगवान के भक्त मनोज वरिष्ठ की ओर से हर साल की तरह सुबह 11 बजे रथयात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस साल भी तैयारी शुरू हो चुकी हैं। जगन्नाथ मंदिर निराला नगर में अन्तरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ इस्कॉन की ओर से जगन्नाथ स्नान यात्रा का आयोजन 29 जून को किया जाएगा।

प्राचार्य पर एफआईआर की तैयारी, 9 लाख रुपए की खेल सामग्री खरीदी में गड़बड़ी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सेवानिवृत्ति से महज दो दिन पहले शासकीय होम साइंस कॉलेज की प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन पर एफआईआर की तलवार लटक गई है। करीब 9 लाख रुपये की खेल सामग्री खरीदी में कथित अनियमितताओं के मामले में प्रशासन ने पुलिस कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मामला उस समय सामने आया जब कॉलेज में खेल सामग्री की खरीदी और भुगतान को लेकर शिकायतें मिलीं। आरोप है कि सामग्री का भौतिक सत्यापन और विधिवत प्राप्ति सुनिश्चित किए बिना ही लाखों रुपये के बिल भुगतान के लिए ट्रेजरी भेज दिए गए। विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा के निरीक्षण के दौरान मामला उजागर होने के बाद प्रशासन ने जांच कराई। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर नगर तहसीलदार सरिता मालवीय ने जांच की। जांच रिपोर्ट में प्राचार्य, स्टोर प्रभारी, वित्त शाखा प्रभारी, लेखापाल और खेल अधिकारी की भूमिका संदिग्ध पाए जाने के बाद कलेक्टर ने एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए।

इसी क्रम में शनिवार को तहसीलदार सरिता मालवीय ने कोतवाली थाने पहुंचकर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए आवेदन सौंप दिया। पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर वैधानिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। एफआईआर दर्ज होने के बाद मामले की विस्तृत जांच की जाएगी। 30 जून को सेवानिवृत्त होने जा रहीं प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन के कार्यकाल के अंतिम दिनों में सामने आए इस मामले ने उच्च शिक्षा विभाग में हलचल मचा दी है। अब पुलिस जांच से यह स्पष्ट होगा कि खरीदी प्रक्रिया में हुई कथित अनियमितताओं के लिए किसकी क्या जिम्मेदारी तय होती है और दोषियों के खिलाफ आगे क्या कार्रवाई की जाती है।

मेट्रो एंकर | मौसम खुलते ही खेतों में बढ़ी रौनक, खरीफ फसलों की बुआई ने पकड़ी रफ्तार

मौसम ने दिया साथ, बोवनी में जुटे किसान

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में हुई बारिश के बाद मौसम साफ होते ही किसानों के चेहरों पर खुशी लौट आई है। खेतों में पर्याप्त नमी (बतर) आने के साथ ही ग्रामीण अंचलों में खरीफ सीजन की बोवनी का कार्य तेज गति से शुरू हो गया है। सुबह से शाम तक खेतों में ट्रैक्टर, सीड ड्रिल और कृषि उपकरणों की आवाज गूंज रही है, जबकि कई किसान पारंपरिक तरीके से भी बुआई में जुटे हैं।

किसानों का कहना है कि समय पर हुई बारिश से जमीन में पर्याप्त नमी बनी है, जिससे सोयाबीन, मक्का, उड़द, मूंग, तिल एवं अन्य खरीफ फसलों की बुआई के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। मौसम साफ होने के कारण खेतों में काम में भी तेजी आई है

और किसान समय रहते बोवनी पूरी करने का प्रयास कर रहे हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, शुरुआती बारिश के बाद मिली यह नमी फसलों के अंकुरण के लिए बेहद लाभदायक है। यदि आगामी दिनों में भी मौसम अनुकूल रहा और समय-समय पर वर्षा होती रही तो इस वर्ष खरीफ फसलों की अच्छी पैदावार की उम्मीद है।

ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों खेतों में चहल-पहल बढ़ गई है। किसान पूरे उत्साह के साथ बोवनी में जुटे हैं और अच्छी फसल की उम्मीद के साथ प्रकृति के सहयोग की कामना कर रहे हैं। समय पर बारिश और अनुकूल मौसम ने किसानों के चेहरे पर नई उम्मीद और आत्मविश्वास की मुस्कान ला दी है।

तेज रफ्तार कार पोल से टकराई, महिला की मौत और 5 लोग घायल

टीकमगढ़। दोपहर मेट्रो

रविवार सुबह टीकमगढ़-झांसी राष्ट्रीय मार्ग पर एक भीषण सड़क हादसे में एक महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि अर्टिगा कार में सवार कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 6 बजे दिगौड़ा थाना क्षेत्र में बंडा पुल के पास हुआ, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। रवींद्र अहिरवार,सरोज अहिरवार, ममता, अनीता अहिरवार, राजकुमारी अहिरवार घायल हुए हैं। ये सभी लोग छतरपुर जिले के घुवारा के रहने वाले हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, झांसी से टीकमगढ़ की ओर आ रही तेज रफ्तार अर्टिगा कार क्रमांक यूपी 93 बीके 4353 अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बिजली का पोल टूट गया और कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के दौरान हुए जोरदार धमाके की आवाज सुनकर आसपास खेतों पर मौजूद ग्रामीण तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों की मदद में जुट गए।

इस दर्दनाक हादसे में दिगौड़ा निवासी बुद्धू कुशवाहा की करीब 60 वर्षीय मां नन्नी कुशवाहा की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना भयावह था कि महिला को संभलने का मौका तक नहीं मिला। वहीं, कार में सवार अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल टीकमगढ़ भेजा गया है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही दिगौड़ा थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने मृतका के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल टीकमगढ़ भिजवा दिया है। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क से हटाने और यातायात व्यवस्था बहाल करने की कार्रवाई की जा रही है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और वाहन का अनियंत्रित होना बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस हृदयविदारक घटना के बाद मृतका के परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है, जबकि क्षेत्र में भी घटना को लेकर गहरा दुख और चिंता व्याप्त है।

न्यूज विंडो

ड्यूटी के दौरान प्रधान आरक्षक की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

तेंदूखेड़ा। मोहर्रम के अवसर पर शुक्रवार शाम लगभग 7 बजे ताजिया जुलूस के दौरान ड्यूटी पर तैनात एक प्रधान आरक्षक की अचानक तबीयत बिगड़ने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। ड्यूटी पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, छतरपुर निवासी प्रधान आरक्षक लखन लाल अहिरवार (50 वर्ष) एसडीओपी कार्यालय तेंदूखेड़ा में पदस्थ हैं। मोहर्रम के ताजिया जुलूस में सुरक्षा व्यवस्था की ड्यूटी के दौरान उनकी अचानक तबीयत खराब हो गई। प्राथमिक उपचार के उपरांत उन्हें जबलपुर भेजा गया, जहां पुलिस स्टाफ ने निजी वाहन से उन्हें स्वास्तिक मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया। वहां चिकित्सकों द्वारा जांच के बाद उन्हें माइनर हार्ट अटैक आने की पुष्टि की गई। वर्तमान में उनका उपचार विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में जारी है तथा उनकी स्थिति पहले से बेहतर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीओपी अर्चना अहीर एवं थाना प्रभारी रावेंद्र बागरी तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। उन्होंने चिकित्सकों से प्रधान आरक्षक के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा आवश्यक उपचार एवं रेफरल की व्यवस्थाओं की निगरानी की।

दो माह से राशन न मिलने पर ग्रामीणों ने थाना प्रभारी को सौंपा आवेदन

तेंदूखेड़ा। तारादेही ग्राम के ग्रामीणों ने एकजुट राशन दुकान के सेल्समैन के विरोध में थाना प्रभारी के नाम आवेदन सौंपा गया। ग्रामीणों ने बताया कि राशन दुकान के सेल्समैन के द्वारा ग्राम के समस्त लोगों से फिंगरप्रिंट लगवा लिए गए, परंतु किसी भी व्यक्ति को राशन नहीं दिया गया। पूरा गांव सेल्समैन से परेशान हो चुका है। दो माह से हम लोगों को राशन नहीं दिया गया हैं। सेल्समैन को हटाने की मांग ग्रामीणों ने की हैं। आवेदन को तुरंत ही थाना प्रभारी आलोक तिरपुडे ने संज्ञान में लेकर खाद्य अधिकारी आदित्य दाहिया को जानकारी दी मौके पर पहुंचर खाद्य अधिकारी द्वारा सरपंच मंजू जैन के साथ राशन दुकान का निरीक्षण किया गया जिसमें राशन कम होना पाया गया। आदित्य दाहिया ने कहा कि सरपंच एवं ग्रामीणों के साथ राशन दुकान की जांच की गई हैं जिसमें दो माह का राशन मई जून का एक साथ वितरित होना था मौके पर जो कम पाया गया हैं साथ ही सभी की पर्ची कटी हैं समिति प्रबंधक एवं सेल्समैन को निर्देश दिए गए हैं कि राशन खरीदकर बुधवार तक ग्रामीणों को बंट जाना चाहिए। राशन बंटने के बाद कार्यवाही की जाएंगी।

अवैध पेट्रोलियम पदार्थ का भंडारण पर कारवाई

चार लाख का ज्वलनशील पदार्थ पकड़ा, ट्रक एवं ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नरयावली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से भंडारित एवं परिवहन किए जा रहे ज्वलनशील पेट्रोलियम पदार्थ को जब्त कर चार आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है।

थाना नरयावली की प्रभारी उप निरीक्षक प्रतिमा मिश्रा पुलिस बल के साथ क्षेत्र भ्रमण पर थीं। इसी दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम किशनपुरा स्थित सौरभ ढाबा पर एक ट्रक में अवैध रूप से पेट्रोल,डीजल अथवा अन्य ज्वलनशील पेट्रोलियम पदार्थ से भरी टंकियां लोड की जा रही हैं। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची. मौके पर ट्रक क्रमांक स्क्क09-॥॥-2834 में टंकियां लोड करते हुए शिवकुमार यादव, गौरव यादव, वीरेन्द्र यादव तथा ट्रक चालक हेमराज कोरी मिले। पूछताछ के दौरान आरोपी पेट्रोलियम पदार्थ के भंडारण एवं परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज अथवा अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सके। तलाशी के दौरान ट्रक एवं एक बिना नंबर के लाल रंग के महिंद्रा ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुल 69 प्लास्टिक टंकियां (प्रत्येक 200 लीटर क्षमता) बरामद की गईं। प्रारंभिक जांच में 21 टंकियों में लाइट डीजल ऑयल तथा शेष 48 टंकियों में मिश्रित ज्वलनशील पदार्थ/मिक्स सॉल्वेंट होना प्रतीत हुआ। पुलिस द्वारा सभी 69 टंकियों को जब्त कर प्रत्येक टंकी से एक-एक लीटर के कुल 69 नमूने लेकर सीलबंद किए गए, जिन्हें परीक्षण के लिए सुरक्षित रखा गया है। बरामद ज्वलनशील पदार्थ की अनुमानित कीमत लगभग ?4 लाख है। साथ ही परिवहन में प्रयुक्त ट्रक एवं ट्रैक्टर-ट्रॉली भी जब्त किए गए हैं। प्रथम दृष्टया यह ज्वलनशील पदार्थ अवैध रूप से भंडारित किया जाना पाया गया, जिसके चोरी का होने की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता। साथ ही इस प्रकार का पदार्थ पर्यावरण एवं जनस्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकता है। इस संबंध में थाना नरयावली में आरोपियों के विरुद्ध धारा 303(2), 280 भारतीय न्याय संहिता तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3 एवं 7 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है। पुलिस द्वारा ज्वलनशील पदार्थ के वास्तविक स्रोत, स्वामित्व तथा अवैध भंडारण एवं परिवहन से जुड़े अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी गहन जांच की जा रही है।

पांढुर्णा में बच्चों को पिलाई दो बूंद जिदंगी की

पांढुर्णा। पांढुर्णा जिले में रविवार सुबह से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत एसडीएम अल्का इक्का, प्रभारी बीएमओ मिलिंद गजभिए की मौजूदगी में हुई। इस अभियान के तहत जिले में 0 से 5 वर्ष तक के 21,146 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग ने इसके लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिलेभर में कुल 209 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां रविवार को बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाई जाएगी। अभियान को सफल बनाने के लिए 440 स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता और अन्य कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

मंगोली खुर्द में खनिज विभाग ने जब्त की 96 ट्रॉली रेत

बालाघाट। दोपहर मेट्रो

जिले के मंगोली खुर्द में खनिज विभाग ने 96 ट्रॉली अवैध रेत जब्त की है। कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर स्थित खनिज विभाग की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया और जब्त की गई रेत को सुरक्षा के लिहाज से ग्राम कोटवार के हवाले कर दिया है। जानकारी के मुताबित, 97 ट्राली रेत की सरकारी कीमत करीब 36 हजार 375 रूपए है। वहीं बाजार में 3 हजार रूपए प्रति ट्राली के हिसाब से इसका दाम तकरीबन 2 लाख 91 हजार रुपए करीब होता है।

बाइक सवार को कार ने पीछे से मारी टक्कर भाई-बहन सहित 3 लोग हुए घायल, भर्ती

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

शनिवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे के आसपास थाना क्षेत्र के अंतर्गत पाटन तेंदूखेड़ा मार्ग पर स्थित नरगुवा घाट पर बाइक सवार भाई बहनों को पीछे से एक तेज रफ्तार अज्ञात कार टक्कर मारकर मौके से भाग निकली है हादसे के बाद घायल सड़क किनारे पड़े रहे जिन्हें डायल 112 की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है जहां भाई बहनों का इलाज चल रहा है घटना के संबंध में डायल 112 से मिली जानकारी अनुसार हादसे में रोहित पिता यशवंत लोधी उम्र 20 विशाखा पिता यशवंत उम्र 22 काजल पिता यशवंत सिंह लोधी उम्र 19 वर्ष जो थाना क्षेत्र के नरगुवा निवासी हैं और भाई बहन है जो देर-रात शादी समारोह से जबलपुर की और से वापस अपने घर नरगुवा आ रही थी लेकिन घर से 3 किमी आगे ही हादसे का शिकार हो गए

हादसे के दौरान डायल 112 में ड्यूटीरत आरक्षक कुंवर सिंह पायलट पंकज नामदेव ने सड़क पर पड़े घायलों की मदद करते हुए स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे डायल 112 में ड्यूटीरत आरक्षक कुंवर सिंह ने बताया कि हादसा रात करीब 2 से ढाई के बीच हुआ है जब वो 27 मील की ओर से गश्ती करते हुए वापस तेंदूखेड़ा आ रहे थे उसी समय यह हादसा हुआ है इको कार है जो रात के अंधेरे का फायदा उठाते भाग निकले पुलिस द्वारा अज्ञात कार की तलाश की जा रही है और घायलों का इलाज स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है बता दें कि नरगुवा की घाट बीते तीन दिन से लगातार सड़क हादसे घटित हो रहे यहां पर तीन लोगों की मौत हो चुकी और आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं हादसों का कारण अंधा मोड़ और कोई भी संकेत बोर्ड नहीं होने के चलते यह हादसे घटित हो रहे हैं।

आकाशीय बिजली गिरने से युवक घायल, इलाज जारी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

गत दिवस बारिश एवं आकाशीय बिजली की चपेट में आने से ग्राम इमलीडोल निवासी महेंद्र सिंह गौंड 23 पिता काशीराम गौंड मौके पर ही बेहोश हो गया। जिसे नगर के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया हैं जहां पर इलाज जारी हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेंद्र कछराहार क्षेत्र में धान की बोनी का कार्य कर रहा था। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरने से उसकी चपेट में आ गया और घायल होकर खेत में बेहोश होकर गिर गया। घटना के दौरान कपड़े भी फट गए। पास ही के खेत में ट्रैक्टर चला रहे किसान लक्ष्मण सिंह गौंड ने युवक को जमीन पर गिरा देखा। उन्होंने तत्काल दौड़कर महेंद्र सिंह को संभाला, लेकिन वह बेहोशी की हालत में था और कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहा था। परिजनों को सूचना दी। तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, तेंदूखेड़ा लेकर आएं।

मेट्रो एंकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने संगठन को सौंपी 50.31 लाख रुपए की समर्पण निधि

आर्थिक सुचिता और स्वावलंबन के लिए कार्यकर्ताओं का सहयोग सराहनीय: पाठक

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आर्थिक सुचिता एवं संगठनात्मक स्वावलंबन के उद्देश्य से चलाए गए समर्पण निधि संकलन अभियान का जिले में सफल समापन हुआ। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने बताया कि नरसिंहपुर जिले के कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक अभियान में भाग लेते हुए संगठन को 50 लाख 31 हजार 311 रुपये की समर्पण निधि प्रदान की। विशेष बात यह रही कि संपूर्ण राशि कार्यकर्ताओं से चेक के माध्यम से प्राप्त की गई,जो संगठन की आर्थिक पारदर्शिता और अनुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण है जिला अध्यक्ष श्री पाठक ने बताया कि विधानसभावार प्राप्त समर्पण निधि में नरसिंहपुर विधानसभा से 23 लाख 15 हजार 811 रुपये, गोटेगांव विधानसभा से 15 लाख 83 हजार 400 रुपये, गाडरवारा विधानसभा से 6 लाख 75 हजार रुपये तथा तेंदूखेड़ा विधानसभा से 4 लाख 57 हजार 100 रुपये की राशि एकत्रित की गई।

उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन को अपना परिवार मानकर समर्पण भाव से योगदान देता है। कार्यकर्ताओं की इसी निष्ठा और सहभागिता के कारण संगठन लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने समर्पण निधि अभियान को सफल बनाने वाले सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सक्रिय भागीदारी संगठन की सबसे बड़ी ताकत है।

श्री पाठक ने बताया कि पिछले वर्ष जिले से 32 लाख 18 हजार रुपये की समर्पण निधि प्राप्त हुई थी, जबकि इस वर्ष कार्यकर्ताओं ने कहीं अधिक उत्साह और समर्पण का परिचय देते हुए 50 लाख 31 हजार 311 रुपये का योगदान दिया है। यह वृद्धि कार्यकर्ताओं के संगठन के प्रति विश्वास, निष्ठा और समर्पण का प्रमाण है।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना निशातपुरा नगरीय पुलिस भोपाल

क्र. था. प्र. /469/मर्ग. क्र. 04/26 दिनांक 23/06/26

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना निशातपुरा जिला भोपाल

(म.प्र.) के मर्ग. क्रमांक 04/26 धारा 194 बी.एन.एस.एस. मे जुबैर शाह पिता जहीर शाह उम्र 28 साल निवासी म.न. 43 एकता नगर विलाल कालोनी करोद भोपाल मो . नं. 9131746309 ने सूचना दिया कि अज्ञात मृतक हुलियाः- रंग काला, चेहरा लम्बा उम्र करीब 40 साल हुलिया रंग सांवला कद करीब 5.5 फिट भिखारी जैसे गंदे कपड़े पहने है चेहरे पर दाड़ी बड़ी हुई है। उपरोक्त मृतक के बारे में कोई जानकारी प्राप्त हो तो थाना निशातपुरा भोपाल में संपर्क करें। तथा थाना मोबाईल नंबर 7587601924, 7987214769 पर तत्काल संपर्क करें।

जी-14984/26

थाना प्रभारी
थाना निशातपुरा भोपाल (म.प्र.)

फीफा विश्व कप, मैच ड्रॉ; डीआर कांगो भी नॉकआउट में

पुर्तगाल ने राउंड ऑफ-32 में बनाई जगह

न्यूयार्क, एजेंसी

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप के के मुकाबले में शनिवार को फ्लोरिडा के हार्ड रॉक स्टेडियम में कोलंबिया का सामना पुर्तगाल से हुआ। यह मैच 0-0 से ड्रॉ रहा। इसी के साथ पुर्तगाल ने ग्रुप के में दूसरे स्थान पर रहते हुए राउंड ऑफ 32 में जगह बना ली है। कोलंबिया की टीम पहले ही अगले राउंड में पहुंच चुकी है। दोनों ही टीमें स्टोपेज टाइम तक कोई गोल नहीं कर सकीं। वहीं, डीआर कांगो ने उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराकर राउंड ऑफ 32 मे ं जगह बनाई। टीम ग्रुप के में तीसरे स्थान पर रही और बेस्ट ऑफ थ्री आठ टीमों में रही। इंजरी टाइम में यानी 90+1वें मिनट में कोलंबिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला था। इस पर डेविनसन सांचेज ने हेडर से गोल किया, लेकिन यह ऑफसाइड निकला। डेविनसन की पैर की अंगुली ऑफसाइड एरिया में थी। पहली बार कोलंबिया ने फीफा विश्वकप के इतिहास में गोलरहित ड्रॉ खेला। कोलंबिया को ग्रुप में शीर्ष स्थान सुनिश्चित करने के लिए सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी, लेकिन उनका खेल देखकर ऐसा बिल्कुल नहीं लगा। टीम लगातार आक्रामक फुटबॉल खेलती रही और एक के बाद एक गोल के मौके बनाए।

कोलंबिया की टीम दोनों हाफ में आक्रामक दिखी

दोनों ही हाफ में मैदान पर आते ही कोलंबिया की टीम ज्यादा आक्रामक दिखी। हालांकि, दूसरे हाफ में टीम ने तो गोल अटैम्प्टस की झड़ी लगा दी। कोलंबिया ने मैच में पहले हाइड्रेशन ब्रेक यानी शुरुआती 25 मिनट में दबदबा बनाए रखा था। हालांकि, हाइड्रेशन ब्रेक के बाद पुर्तगाल के खिलाड़ियों ने गजब की फूर्ति दिखाई है और काउंटर अटैक किया है। हालांकि, दोनों टीमें ही हाफटाइम तक कोई गोल नहीं कर सकीं थीं।

रोमांच से भरपूर रहा मुकाबला

मुकाबला भले ही गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ, लेकिन मैच बेहद रोमांचक और मौके से भरपूर रहा। मैच में गोल करने के कई अवसर बने, जिनमें से अधिकांश कोलंबिया के हिस्से आए। दूसरे हाफ में कोलंबिया का पूरी तरह दबदबा रहा और टीम को इस बात का अफसोस जरूर होगा कि वह अपने कई सुनहरे मौकों को गोल में नहीं बदल सकी। फिर भी ड्रॉ का नतीजा कोलंबिया के लिए पर्याप्त रहा।

राउंड ऑफ 32 में पुर्तगाल का सामना क्रोएशिया से

इस एक अंक के साथ कोलंबिया ने ग्रुप-के में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। वहीं, पुर्तगाल दूसरे स्थान पर रहते हुए राउंड ऑफ 32 में पहुंच गया। अब नॉकआउट चरण में पुर्तगाल का सामना गुरुवार को टोरंटो में क्रोएशिया से होगा, जबकि कोलंबिया शुक्रवार को कैनसस सिटी में घाना के खिलाफ मैदान में उतरेगा।

लॉर्ड्स में भारत की अग्निपरीक्षा!

ऑस्ट्रेलिया से जीत दिलाएगी सेमीफाइनल का टिकट, हार या बारिश बढ़ाएगी टेंशन

लंदन। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में ग्रुप-ए का मुकाबला बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। सेमीफाइनल की तस्वीर अभी पूरी तरह साफ नहीं हुई है और आज खेले जाने वाले दो मुकाबले यह तय करेंगे कि ऑस्ट्रेलिया के साथ अंतिम चार में कौन-सी दूसरी टीम जगह बनाएगी। भारतीय टीम फिलहाल मजबूत स्थिति में जरूर है, लेकिन उसका सेमीफाइनल टिकट अभी पक्का नहीं हुआ है। लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर पहले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका का सामना बांग्लादेश से होगा, जबकि दिन के दूसरे और सबसे अहम मुकाबले में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। दोनों मैचों के नतीजे ग्रुप-ए की अंतिम तस्वीर तय करेंगे।

जीत से खुलेगा सेमीफाइनल का रास्ता

भारतीय टीम ने अब तक चार में से तीन मुकाबले जीतकर छह अंक हासिल किए हैं और उसका नेट रनरेट +2.268 है। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया चारों मैच जीतकर आठ अंकों के साथ पहले ही लगभग सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। भारत के लिए सबसे आसान और सुरक्षित रास्ता ऑस्ट्रेलिया को हराना है। यदि भारत ऑस्ट्रेलिया को मात देता है तो उसके आठ अंक हो जाएंगे। हालांकि इसके बाद भी यदि दक्षिण अफ्रीका बांग्लादेश को हराती है तो दोनों टीमों के आठ-आठ अंक होंगे। ऐसे में सेमीफाइनल में पहुंचने का फैसला नेट रनरेट के आधार पर होगा, जहां फिलहाल भारत को बढ़त हासिल है। इंग्लैंड के मौसम को देखते हुए बारिश की संभावना भी बनी हुई है। यदि भारत और ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला बारिश की वजह से रद्द हो जाता है तो दोनों टीमों को एक-एक अंक मिलेगा। इस स्थिति में भारत के सात अंक हो जाएंगे। इसके बाद भारतीय टीम की किस्मत बांग्लादेश के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। यदि बांग्लादेश दक्षिण अफ्रीका को हराने में सफल रहता है तो भारत सेमीफाइनल में पहुंच सकता है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की जीत भारत की उम्मीदों पर पानी फेर देगी।

टी20 मुकाबला , सीरीज बराबर करने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

वैभव सूर्यवंशी IN, संजू सैमसन OUT श्रेयस अय्यर आज करेंगे बड़े बदलाव

बेलफास्ट, एजेंसी

आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 इंटरनेशनल में मिली 34 रनों की हार के बाद भारतीय टीम आज दूसरे एवं आखिरी मुकाबले में सीरीज बराबर करने के इरादे से उतरेगी। यह मुकाबला बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रि केट क्लब में भारतीय समयानुसार शाम 6 बजे से खेला जाएगा। यह पहली बार था, जब आयरलैंड ने किसी भी अंतरराष्ट्रीय मैच में भारतीय टीम को हराया। अब कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली युवा भारतीय टीम के सामने सम्मान बचाने की चुनौती होगी। पहले मैच में भारतीय बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई थी। शीर्ष क्रम बड़ी साझेदारियां नहीं कर सका और टीम 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 148 रनों पर सिमट गई। ऐसे में दूसरे मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। इस मैच से पहले सबसे बड़ी चर्चा 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को लेकर है। पहले टी20 में उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिला था, लेकिन हार के बाद टीम मैनेजमेंट प्लेइंग इलेवन में बदलाव कर सकता है। वैभव को संजू सैमसन के स्थान पर मौका मिल सकता है। संजू को इस मुकाबले में रेस्ट दिया जा सकता है।

वापसी पर भारत की नजर

भारत के खिलाफ अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय जीत का जश्न मना रही आयरलैंड की टीम अब सीरीज अपने नाम करने का सपना देख रही है। अगर आयरिश टीम ऐसा करने में कामयाब होती है तो साल 2022 की शुरुआत में वेस्टइंडीज को वनडे सीरीज में 2-1 से हराने के बाद द्विपक्षीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह उनकी सबसे बड़ी जीत होगी। दिलचस्प बात यह है कि वेस्टइंडीज को हराने वाली टीम के केवल चार खिलाड़ी ही शुक्रवार को भारत के खिलाफ खेलने उतरी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा थे। घरेलू परिस्थितियों की बेहतर समझ आयरलैंड के लिए इस मैच में टर्निंग प्वाइंट साबित हुई। वहीं, टी20 की विश्व चैंपियन भारतीय टीम की नजरें वापसी पर होंगी और वह यह साबित करने की कोशिश करेगी कि पहले टी20 मैच में हार महज एक खराब दिन था।

सूर्यवंशी का डेब्यू का इंतजार होगा खत्म?

भारत ने पहले मैच में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग-11 में शामिल होने का मौका नहीं दिया था। सूर्यवंशी को नहीं खिलाने पर आलोचना भी हुई थी और अब जब भारतीय टीम को हार मिली है तो एक बार फिर वैभव को मौका देने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। हालांकि, इस बात की संभावना कम ही है कि रविवार को वैभव को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिले। टीम प्रबंधन एक हार के बाद शीर्ष क्रम में बदलाव करेगी, इसकी संभावना कम नजर आती है। यानी वैभव को अभी डेब्यू के लिए इंतजार करना पड़ सकता है।

संभावित प्लेइंग-11: संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, वाशिंगटन सुंदर/सूर्यांश शेडगे, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, प्रिंस यादव।

149 साल में पहली बार, 400 से ज्यादा रन की पार्टनरशिप

वेस्टइंडीज के दो बल्लेबाजों ने बदल दिया टेस्ट क्रिकेट का पूरा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी

वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में इतिहास रच दिया गया है। वेस्टइंडीज के आमिर जांगू और कप्तान रोस्टन चेस ने मिलकर एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है जो टेस्ट क्रिकेट के 149 साल के इतिहास में कभी नहीं देखा गया। दोनों ने छठे विकेट के लिए रिकॉर्ड तोड़ 401 रनों की ऐतिहासिक साझेदारी की है। इसी के साथ वे टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में छठे विकेट के लिए 400 या उससे अधिक रनों की पार्टनरशिप करने वाली दुनिया की पहली जोड़ी बन गए हैं।

इस मुकाबले में अपना सिर्फ दूसरा टेस्ट खेल रहे युवा बल्लेबाज आमिर जांगू ने कमाल का जज्बा दिखाते हुए 373 गेंदों में 233 रनों की मैराथन पारी खेली। वहीं, कप्तान रोस्टन चेस ने भी मोर्चे को संभाले रखा और वह 184 रन बनाकर क्रीज पर डटे रहे। इन दोनों ने मिलकर इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो और बेन स्टोक्स के 8 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया जिन्होंने 2016 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 399 रन जोड़े थे।

पार्टनरशिप के कई रिकॉर्ड किए नाम

यह धमाकेदार साझेदारी न सिर्फ वर्ल्ड रिकॉर्ड की सूची में टॉप पर पहुंची बल्कि वेस्टइंडीज क्रिकेट के इतिहास में भी सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गई है। यह कैरेबियाई टेस्ट इतिहास में किसी भी विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी बन गई है। वेस्टइंडीज के लिए सर्वकालिक सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड कॉनराड हंट और महान गैरी सोबर्स के नाम है जिन्होंने 1958 में पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे विकेट के लिए 465 रन बनाए थे। जांगू और चेस की जोड़ी ने गैरी सोबर्स और फ्रैंक वोरेल (399 रन) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। श्रीलंका के खिलाफ भी यह टेस्ट इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले न्यूजीलैंड के मार्टिन क्रो और एंड्रयू जोन्स ने 1991 में श्रीलंकाई गेंदबाजों के खिलाफ तीसरे विकेट के लिए 467 रनों की विशाल साझेदारी की थी।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

भीड़ में भी इंसान अकेला हो सकता है

शुभांगी अत्रे ने बताए रिश्तों और सच्ची बातचीत के मायने

मुंबई। टीवी अभिनेत्री शुभांगी अत्रे का मानना है कि अकेलापन केवल लोगों की कमी से नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और सच्ची बातचीत के अभाव से पैदा होता है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में ऐसे लोगों का साथ मिलना बेहद जरूरी है, जो केवल हालचाल पूछें ही नहीं, बल्कि जवाब को धैर्य से सुनें भी। एक बातचीत में शुभांगी ने कहा कि वह खुद को खुशकिस्मत मानती हैं क्योंकि उनकी जिंदगी में कुछ ऐसे लोग हैं जो दिल से उनका हाल पूछते हैं। उनके मुताबिक, कई बार किसी को सलाह देने से ज्यादा जरूरी होता है उसकी बातों को बिना टोके और बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनना। यही एहसास किसी व्यक्ति को मानसिक सुकून देता है।

सोशल मीडिया ने बढ़ाई दूरी, भावनाएं रह गईं पीछे- शुभांगी ने कहा कि आज लोग सोशल मीडिया के जरिए एक-दूसरे की जिंदगी से जुड़े जरूर दिखाई देते हैं, लेकिन उनकी भावनाओं को समझने की कोशिश कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी की तस्वीरें, यात्राएं या पोस्ट देखकर उसके जीवन का अंदाजा लगाया जा सकता है, लेकिन उसके मन में क्या चल रहा है, यह केवल सच्ची बातचीत से ही जाना जा सकता है।

उनका मानना है कि सोशल मीडिया ने लोगों को अधिक दिखाई देने वाला बना दिया है, लेकिन रिश्तों की गहराई और संवेदनशीलता कहीं न कहीं कम हो गई है। असली संवाद आज भी स्क्रीन से दूर आमने-सामने की बातचीत में ही संभव है।

भरोसेमंद रिश्ते ही देते हैं जीवन को मजबूती

रिश्तों पर अपनी सोच साझा करते हुए शुभांगी ने कहा कि भरोसा, समझ और अपनापन समय के साथ विकसित होते हैं। सच्चे रिश्ते वही होते हैं जो व्यक्ति के अच्छे और बुरे दोनों दौर में उसके साथ खड़े रहें। ऐसे संबंध न केवल मानसिक मजबूती देते हैं, बल्कि अकेलेपन की भावना को भी काफी हद तक कम कर देते हैं। उन्होंने अपनी निजी जिंदगी का जिक्र करते हुए बताया कि उनकी 19 वर्षीय बेटी आशी उनके जीवन का सबसे अहम सहारा है। आशी हमेशा उनका हालचाल पूछती हैं और उनका पूरा ध्यान रखती हैं। इसके अलावा कुछ करीबी दोस्तों और अपनों का साथ भी उन्हें भावनात्मक मजबूती देता है।

हुमा कुरैशी का गाना इश्क कमीना रिलीज, 2 सेकंड भी झेल नहीं पाए फैंस

बेबी डू डाई डू के मेकर्स ने अपना नया गाना इश्क कमीना रिलीज किया है। यह 2002 के मशहूर चार्टबस्टर गाने का एक जबरदस्त नया वर्जन है। नए गाने में इस कल्ट क्लासिक गाने को नए विजुअल अंदाज में पेश किया गया है, साथ ही इसकी जबरदस्त एनर्जी और शानदार अपील को भी बनाए रखा गया है। इसमें हुमा कुरैशी कुछ डांस स्टेप्स भी करती नजर आ रही हैं, लेकिन वो ओरिजिनल गाने के ऐश्वर्या और शाहरुख की केमेस्ट्री को छू भी नहीं पाई हैं।

हुमा कुरैशी और रचित सिंह पर फिल्माए गए इस गाने में दोनों के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री देखने को मिलती है, साथ ही इसमें ग्लैमर, एटीट्यूड और शानदार डांस मूव्स का भी तड़का है। इश्क कमीना एक स्टाइलिश सेलिब्रेशन की तरह है, जो पुरानी यादों और फिल्म के आज के दौर वाले अंदाज का बेहतरीन मेल है।

इश्क कमीना का नया वर्जन- गाने में हुमा कुरैशी ने जमकर डांस किया है। इसमें रचित सिंह की भी एंट्री होती है और वो काफी स्टाइलिश लग रहे हैं, लेकिन लोगों ने गाने के रिलीज होते ही इसे नकार दिया है। कमेंट सेक्शन में तारीफ तो की गई है, लेकिन पुराने वाले का जिक्र भी बराबर है।

लोगों ने उड़ा दी खिल्ली

कमेंट में से एक में लिखा था, मुझे समझ में नहीं आता इन्हें खुद पता नहीं चलता क्या ..कितना खराब बना दिया गाना ..बॉलीवुड में अच्छे खासे गाने को बर्बाद करने की आदत है। तुमसे नहीं हो पाएगा। एक ने कहा- शाहरुख ऐश्वर्या के आस-पास भी नहीं पहुंच पाए। एक ने लिखा- मत किया करो यार, बेइज्जती क्यों करवानी।

मेट्रो बाजार

डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में वैश्विक अग्रणी बना भारत, 24 देशों के साथ किया सहयोग समझौता

नई दिल्ली। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के क्षेत्र में भारत तेजी से वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में उभर रहा है। नागरिक-केंद्रित डिजिटल गवर्नेंस प्लेटफॉर्म और बड़े पैमाने पर विकसित डिजिटल इकोसिस्टम की बदौलत भारत ने फरवरी 2026 तक 24 देशों के साथ इंडिया स्टैक और डीपीआई प्रणाली पर सहयोग के लिए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें डिजिटल पहचान, डिजिटल भुगतान, डेटा एक्सचेंज और सेवा वितरण जैसे क्षेत्र शामिल हैं। जारी एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, पिछले 11 वर्षों में भारत ने दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम में से एक का निर्माण किया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, कृषि और कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों तक व्यापक रूप से बढ़ी है। फैक्टशीट में कहा गया है कि भारत डिजिटल भुगतान और डिजिटल गवर्नेंस नवाचार के क्षेत्र में भी वैश्विक अग्रणी बनकर उभरा है। कई देशों में इंडिया स्टैक के विस्तार के साथ %डिजिटल इंडिया% नागरिक-केंद्रित, समावेशी और तकनीक आधारित विकास मॉडल के जरिए भारत की वैश्विक भूमिका को मजबूत कर रहा है। इसके अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अब संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, फ्रांस, मॉरीशस और श्रीलंका सहित आठ से अधिक देशों में संचालित हो रहा है, जिससे वैश्विक फिनटेक क्षेत्र में भारत की मौजूदगी मजबूत हुई है।

ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए तेजी से बढ़ानी होगी विद्युतीकरण की रफ्तार-सागर अदाणी

लंदन/नई दिल्ली । अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सागर अदाणी ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और आर्थिक विकास को गति देने के लिए तेजी से विद्युतीकरण (इलेक्ट्रिफिकेशन) बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा भंडारण (स्टोरेज) के साथ जुड़ी नवीकरणीय ऊर्जा ही भविष्य में भरोसेमंद, किफायती और चौबीसों घंटे स्वच्छ बिजली उपलब्ध कराने की सबसे अहम कुंजी होगी।

लंदन क्लाइमेट एक्शन वीक के दौरान लंदन के साइंस म्यूजियम में अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) और एनर्जी ट्रांजिशन्स कमीशन (ईटीसी) की साझेदारी में आयोजित पहले अदाणी ग्रीन एनर्जी डायलॉग में बोलते हुए सागर अदाणी ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा, किफायतीपन और स्थिरता आज दुनिया की सबसे बड़ी चुनौतियों में शामिल हैं। सागर अदाणी ने कहा, ÷विद्युतीकरण इन तीनों चुनौतियों का समाधान करने का सबसे प्रभावी तरीका बनकर उभर रहा है। जो देश मजबूत आर्थिक विकास और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता चाहते हैं, उनके लिए तेजी से विद्युतीकरण अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने कहा नवीकरणीय ऊर्जा की वास्तविक क्षमता तब सामने आती है, जब उसे बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) और पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट (पीएसपी) जैसी ऊर्जा भंडारण तकनीकों के साथ जोड़ा जाए। सागर अदाणी ने कहा, ÷ये तकनीकें स्वच्छ ऊर्जा को भरोसेमंद, किफायती और चौबीसों घंटे उपलब्ध कराती हैं। अदाणी ग्रीन इसी सोच को आगे बढ़ा रही है और वर्ष 2030 तक 50 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने की दिशा में काम कर रही है।

कैंची धाम : 20 किमी दूरी तय करने में लग रहे घंटों

हल्द्वानी, एजेंसी। अल्मोड़ा-हल्द्वानी हाईवे व कैंची क्षेत्र में आए दिन जाम लग रहा है। भवाली से खैरना क्षेत्र तक महज बीस किमी के दायरे में सात स्थानों पर जाम की स्थिति बन रही है। पहले वीकेंड और अब रोजाना जाम की स्थिति बने रहने से आवाजाही करने वाले लोग परेशान हैं। यह हालात तब हैं, जब करोड़ों के बजट से बाईपास निर्माण तक हो चुका है। भवाली से खैरना तक की महज बीस किमी की दूरी तय करने में ही घंटों का समय लग जा रहा है। हाईवे पर कैंची मुख्य बाजार के अलावा मल्ला व तल्ला कैंची, बाइपास पर भवाली टंचिग ग्राउंड के समीप, रामगाढ़, खैरना बाजार, रानीखेत पुल, लोहाली, दोपांखी क्षेत्र में जाम की स्थिति बनी रहती है। व्यापार मंडल प्रदेश उपाध्यक्ष विरेन्द्र सिंह बिष्ट, मनीष तिवारी, गजेन्द्र सिंह नेगी, कैलाश नैनवाल, देवेश कांडपाल, गौरव पंत आदि ने जाम वाले स्थानों पर समुचित पुलिसकर्मियों की तैनाती किए जाने की मांग उठाई है, ताकि समस्या का स्थाई समाधान हो सके।

न्यूज विंडो

हैदराबाद: पति ने मांगी अजन्मे बच्चे की DNA जांच, महिला ने की खुदकुशी

हैदराबाद। पति द्वारा अजन्मे बच्चे के डीएनए टेस्ट की मांग करने के बाद 23 साल की गर्भवती महिला ने आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद, पुलिस ने शनिवार को महिला के पति और सास को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता जी सुष्मिता ने 24 जून की शाम को मेडक जिले के अल्लादुर्ग मंडल के गादिपेड्डापुर गांव में अपने घर पर फांसी लगा ली। विकाराबाद जिले के मोथकुपल्ली गांव की रहने वाली सुष्मिता की शादी लगभग 18 महीने पहले गादिपेड्डापुर के रहने वाले चूड़ी विक्रेता जी अभिलाष से हुई थी। आत्महत्या के समय वह पांच महीने की गर्भवती थी। पुलिस को दी गई शिकायत में सुष्मिता की मां, जी जनाबाई ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को उसके पति द्वारा शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान किया जाता था।

सोनीपत में अवैध संबंध के शक में युवक की पीट-पीटकर हत्या

सोनीपत, एजेंसी। अवैध संबंध के शक में एक युवक ने अपनी साथियों के साथ मिलकर पड़ोसी की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। झकझोर कर देने वाले इस मामले में हत्यारोपितों ने वारदात को अंजाम देते समय युवक के पिता को मोबाइल फोन पर बेटे की चीखें भी सुनवाई। बाद में हत्यारोपित का पिता ही राई थाने पहुंचा और पुलिस को अवगत करवाया। सूचना मिलते ही थाने से पुलिसकर्मियों की एक टीम मौके और पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। जठेड़ी गांव के एक खेत में रात विशाल नामक एक युवक की बेरहमी के साथ पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। विशाल मेरठ के गांव खंदवाली का रहने वाला था और जठेड़ी में किराये के मकान में अकेला रहता था।

कतर धमाके में मारे गए सभी 12 भारतीयों के शव स्वदेश लाए गए

नई दिल्ली। कतर के रास लाफान में हुए हादसे में मारे गए सभी 12 भारतीय नागरिकों के शव स्वदेश लाए गए। एक दिन पहले ही चार शव लाए गए थे। रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी में बरजान गैस सप्लाई सुविधा में हुए धमाके में 12 भारतीयों समेत 13 लोगों की मौत हो गई थी। इस सुविधा का संचालन कतरएनर्जी एलएनजी करती है। मृतकों में एक पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल था। भारतीय मिशन ने शवों को वापस लाने की प्रक्रिया में तेजी से मदद करने और पीड़ित परिवारों को सहयोग देने के लिए कतर के अधिकारियों, भारतीय समुदाय के संगठनों और भारत में सरकारी एजेंसियों का आभार व्यक्त किया। राजदूत विपुल और दूतावास के अन्य अधिकारियों ने अलखोर का दौरा किया और हादसे के घायल भारतीय नागरिकों से मुलाकात की।

शहरी विकास और आवास मंत्री का बयान चर्चा में

कैलाश बोले- आरएसएस में बढ़ रही भीड़, अच्छे लोगों की कमी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में बहुत ज्यादा भीड़ हो गई है। अब संघ में अच्छे लोगों की कमी है। बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय ने एक कार्यक्रम में संघ के बारे में यह टिप्पणी कर नया राजनीतिक विवाद शुरू कर दिया है। कैलाश विजय वर्गीय मध्यप्रदेश सरकार में शहरी विकास और आवास मंत्री हैं। वह पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में बीजेपी के प्रभारी भी रह चुके हैं। उनके बयान को कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने कहा कि बीजेपी नेता के बयान में सच्चाई नजर आ रही है।

हाल में ही दिया था काफिर वाला बयान : कैलाश विजयवर्गीय अक्सर विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में उन्होंने इंदौर की सभा में मुस्लिम को टारगेट किया था। उन्होंने कहा था कि कुछ मुसलमान भाई हिंदुओं को काफिर कहते हैं। अगर हम काफिर हैं तो हम काफिर हैं तो हमारी सड़कों पर नहीं चलें। अब ताजा विवाद उनके आरएसएस पर अपनी टिप्पणी से हुआ है। भोपाल में आरएसएस नेता शालिग्राम तोमर की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि आरएसएस एक बहुत बड़ा संगठन बन गया है। जब से बीजेपी सत्ता में आई है, कई लोग इससे जुड़ने का दावा करने लगे हैं। वह मौके का फायदा उठाना चाहते हैं।

कांग्रेस बोली- सच्चाई नजर आ रही है...

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि भले ही संगठन का विस्तार हो रहा है और विचारधारा फैल रही है, लेकिन इसमें शामिल लोगों की गुणवत्ता में गिरावट आई है। संघ में अच्छे लोगों की कमी है। संघ लोगों से भरा हुआ है, लेकिन अच्छे इंसान कम होते जा रहे हैं। पहले सच में अच्छे लोग हुआ करते थे। संगठन का विस्तार हो रहा है, विचारधारा फैल रही है, लेकिन अगर अच्छे लोग ही न हों तो विचारधारा का क्या मूल्य है? हमें इस पर गंभीरता से सोचने की ज़रूरत है। कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने कहा कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में विजयवर्गीय की बातों में कुछ सच्चाई लगती है। उन्होंने कहा कि अधिकारी अक्सर सत्ता के साथ अपना रंग बदल लेते हैं। हालात को देखते हुए लगता है कि अधिकारी जल्द ही औपचारिक रूप से आरएसएस में शामिल हो सकते हैं।

हाई कोर्ट में एनटीसीए ने किया स्वीकार

बाघों की अप्राकृतिक मौतों का कारण है शिकार

जबलपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने देशभर में बाघों की अप्राकृतिक मौतों के लिए शिकार को बड़ा कारण मानने की स्वीकारोक्ति मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के समक्ष की है। कोर्ट को दिए हलफनामे में एनटीसीए ने स्पष्ट रूप से माना है कि संरक्षित बाघ अभयारण्यों तथा उनके आसपास बाघों की हालिया अप्राकृतिक मौतों में अवैध शिकार प्रमुख कारणों में से एक है। यह स्वीकारोक्ति इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि अब तक अधिकतर बाघों की मौतों को लेकर वन्य विभाग के जिम्मेदारों द्वारा शिकार की बात से इनकार कर बीमारी जैसे कारण बताए जाते रहे हैं, लेकिन अब शीर्ष संरक्षण संस्था ने स्वयं ही शिकार की गंभीरता को कोर्ट के समक्ष मान लिया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया की अध्यक्षता वाली युगलपीठ के समक्ष एनटीसीए ने यह हलफनामा उस जनहित याचिका के जवाब में प्रस्तुत किया, जिसे वन्यजीव कार्यकर्ता अजय दुबे ने दायर कर अभयारण्यों के भीतर और आसपास लगातार हो रहीं बाघों की संदिग्ध मौतों की न्यायिक समीक्षा की मांग की है। याचिका में दावा किया गया है कि अनेक मामलों में मौतें संगठित शिकार का परिणाम हैं। शिकार राज्य सरकार और वन विभाग का अमला रोक नहीं पा रहा है। कोर्ट ने इस पर एनटीसीए से जवाब मांगा था। उसके उत्तर में एनटीसीए ने कहा कि देश के बाहर बाघों के अंगों और उनसे निर्मित उत्पादों की अवैध मांग उनके अस्तित्व के लिए सबसे गंभीर खतरों में शामिल है।

खाई में कार गिरने से 2 महिलाओं समेत तीन की मौत, दो घायल

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के जनजातीय क्षेत्र भरमौर में शनिवार देर रात को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। उरेई-सांबरा मार्ग पर एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वालों में दो महिलाएं और कार चालक शामिल हैं। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना तुरंत पुलिस और प्रशासन को दी, जिसके बाद राहत एवं बचाव दल मौके के लिए रवाना हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम और राहतकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। बचाव अभियान चलाकर घायलों को कार से बाहर निकाला गया और उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों की निगरानी में दोनों घायलों का इलाज जारी है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद पुलिस ने पूरे घटनास्थल का निरीक्षण किया और दुर्घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों और घायलों की पहचान की जा रही है, ताकि उनके परिजनों को सूचना दी जा सके। फिलहाल, पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ।

तिरुमला मंदिर पहुंचे अनंत अंबानी पूजा-अर्चना के बाद कराया मुंडन

चित्तूर, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी ने आज आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध तिरुमला श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की। अपनी इस धार्मिक यात्रा के हिस्से के रूप में अनंत अंबानी ने भगवान वेंकटेश्वर को अपने बाल भी अर्पित किए (मुंडन कराया)। दर्शन के बाद, मंदिर के अंदर स्थित रंगनायकुला मंडपम में वैदिक विद्वानों ने उन्हें 'वेद आशीर्वादम' (वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आशीर्वाद) दिया। इस अवसर पर मंदिर प्रशासन (टीटीडी) के अधिकारियों ने उन्हें श्रीवारी तीर्थ प्रसादम भेंट किया और पारंपरिक रेशमी शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

मेट्रो एंकर | होर्मुज निकला भारतीय जहाज, धान की बुआई से पहले किसानों को मिली राहत

65 हजार मीट्रिक टन उर्वरक लेकर भारत आ रहा एपीजे प्रीती-2

नई दिल्ली, एजेंसी

होर्मुज जलडमरूमध्य में लगातार बढ़ते तनाव और व्यापारिक जहाजों पर हमलों के बीच भारत के किसानों के लिए राहत की खबर सामने आई है। भारतीय झंडे वाला मालवाहक जहाज एपीजे प्रीती-2 शनिवार को ईरान की ओर से बताए गए समुद्री मार्ग से सुरक्षित होकर होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर गया। यह वही इलाका है जहां कुछ घंटे पहले एक तेल टैंकर पर हमला हुआ था, जिसके बाद समुद्री सुरक्षा एजेंसियों ने खतरे का स्तर बढ़ा दिया। वही, ईरानी हमले के बाद अमेरिका ने भी ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमला किया था। रविवार को खबर आई कि लगातार दूसरे दिन ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक एपीजे प्रीती-2 में करीब 65 हजार मीट्रिक टन उर्वरक लदा है। यह जहाज उन जहाजों की प्राथमिक सूची में शामिल था जिन्हें सबसे पहले सुरक्षित बाहर निकालने की योजना बनाई गई थी। जहाज ने ईरान की ओर से तय किए गए रास्ते का इस्तेमाल करते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य पार किया। इस जहाज का आना भारत के किसानों के लिए राहत वाली खबर है। खास तौर पर जब खरीफ की फसलों की बुआई शुरू हो रही है।

होर्मुज में जहाज पर हुआ हमला

शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में कतर का तेल ले जा रहे एक टैंकर पर हमला हुआ। यह सप्ताह के भीतर किसी व्यापारिक जहाज पर दूसरा हमला था। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूकेएमटीओ के मुताबिक, हमले में जहाज के ब्रिज को नुकसान पहुंचा, लेकिन चालक दल सुरक्षित रहा और तेल रिसाव जैसी कोई घटना नहीं हुई। इसके बाद संयुक्त समुद्री सूचना केंद्र (जेएमआईसी) ने पूरे क्षेत्र में खतरे का स्तर बढ़ाकर 'सब्स्टैंशियल' कर दिया।

हिमाचल के गुरुद्वारे पर निहंगों का कब्जा, 4 साथियों की रिहाई पर अड़े

सिरमौर. एजेंसी। उत्तराखंड में चार निहंगों की गिरफ्तारी के विरोध में अब हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में पांवटा साहिब गुरुद्वारे में 150 से ज्यादा निहंगों ने कब्जा कर लिया है। एक एजेंसी के मुताबिक ये निहंग अपने पंथ के उन चार सदस्यों की रिहाई की मांग कर रहे हैं, जिन्हें उत्तराखंड में स्थानीय लोगों के साथ झड़प के बाद गिरफ्तार किया गया था। सूत्रों ने बताया कि निहंग समूहों ने आगे की कार्रवाई की योजना बनाने के लिए बातचीत की और घोषणा की कि जब तक गिरफ्तार किए गए चारों सदस्य रिहा नहीं हो जाते, वे पंजाब वापस नहीं लौटेंगे। बता दें कि गुरुवार को निहंगों के एक जत्थे ने देहरादून के रास्ते उत्तराखंड में जबरदस्ती घुसने की कोशिश की, जिसको लेकर उनकी पुलिसकर्मियों से बहस भी हुई। निहंग जत्थे का नेतृत्व कर रहे जगदीप सिंह अकाली ने मीडिया को बताया कि उत्तराखंड प्रशासन ने उनकी 'मांगें पूरी करने' के लिए दो दिन का समय मांगा है, इसलिए उत्तराखंड में विरोध मार्च की योजना अगले दो दिनों के लिए रोक दी गई है। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि अगर गिरफ्तार निहंगों को रिहा नहीं किया गया तो वे अपना आंदोलन फिर से शुरू करेंगे। 16 जून को उत्तराखंड के चमोली ज़िले के कर्णप्रयाग बाजार में स्थानीय लोगों और निहंगों के एक समूह के बीच विवाद हिंसक हो गया। जिसमें कुछ स्थानीय लोग और एक निहंग घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया और चार निहंगों को गिरफतार कर लिया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564